CNews सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-244
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

अपनी नजर सिर्फ उसी चीज़ पर रखो जिसे
तुम पाना चाहते हो, उस पर नहीं जिसे तुम खो चुके हो!

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, सोमवार 09 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

हमारे लिए अच्छी संस्कृति, जीवन मूल्य और परंपराएं सर्वोपरिः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाजापुर में 50 करोड़ रूपये लागत के 24 कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्री कृष्ण का जीवन चरित्र गीता में समाहित है और गीता सदैव हमारी प्रेरणा रही है, यही कारण है कि आज दुनिया की लाखों सभ्यताएं नष्ट भ्रष्ट हो गई परंतु हमारी हस्ती आज भी कायम है। हमने हमेशा आध्यात्म को सर माथे रखा। हमारे लिए अच्छी संस्कृति, जीवन मूल्य और परंपराएं सर्वोपरि हैं। प्रदेश में जिन स्थानों पर भगवान श्री कृष्ण के चरण पड़े उन्हें मथुरा, वृंदावन की तरह ही विकसित किया जाएगा। प्रदेश भर में आज से 12 तारीख तक गीता उत्सव मनाया जा रहा है, जिसमें गीता के माहात्म्य और शिक्षाओं को घर-घर पहुंचाया जाएगा। गीता, गंगा और गौ माता, ये हमारे भाग्य विधाता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज शाजापुर में 7 करोड़ 87 लाख 83 हजार रूपये लागत से नवनिर्मित बस स्टेण्ड के लोकार्पण सहित 50 करोड़ रूपये लागत के 24 कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाजापुर में मेडिकल कॉलेज एवं शुजालपुर में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज निर्माण एवं आलु-प्याज की नई मण्डी निर्माण के लिए राशि देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज शाजापुर में बस स्टेण्ड के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में राज्य परिवहन निगम की बसें पुन: शुरू की जायेगी। नवनिर्मित बस स्टेण्ड में बनी दुकानों एवं हॉल से व्यापार व्यवसाय बढ़ेगा और आमजन को भी फायदा होगा। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाओं के बलबूते पर सरकार के माध्यम से जनता से सरोकार रखने वाले सभी कार्यों एवं योजनाओं को जारी रखा जायेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पण्डित बालकृष्ण शर्मा नवीन की जयंती पर सभी को शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने पण्डित बालकृष्ण शर्मा नवीन के साहित्य, दर्शन एवं शाजापुर के लिए किये गये कार्यों पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने साहित्यकारों एवं रचनाकारों के महत्व को रेखांकित करते हुए महर्षी वाल्मिकी, कालीदास, महर्षी वेदव्यास आदि की रचनाओं के बारे में विस्तार से बताया। भगवान कृष्ण द्वारा उज्जैन में ली गई शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने सभी से अपने बच्चों को शिक्षित बनाने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में धार, जानापांव, उज्जैन आदि अन्य स्थानों जहां-जहां भगवान कृष्ण की लीलाएं हुई हैं उन्हें तीर्थ धाम बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि गौ माता हमारे लिए अत्यंत पूजनीय है। पूरे प्रदेश में गौशालाएं बनाई जा रही हैं और जनता को घर-घर गाय पालने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिस घर में गए पलती है वह घर गोकुल ही तो है। किसानों को खेती के लिए पर्याप्त पानी और बिजली के साथ ही दुग्ध उत्पादन के लिए प्रेरित किया जा रहा है, सरकार दुग्ध खरीदी पर बोनस देगी। वर्तमान में प्रदेश में पूरे देश का 9त्न दुग्ध उत्पादन होता है, सरकार इसे 20त्न तक पहुंचाने के लिए प्रयत्नशील है। प्रदेश में विकास कार्य सतत गति से चल रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की नदी जोड़े अभियान की परिकल्पना को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पूरा कर रहे हैं। प्रदेश में नर्मदा-लिंक परियोजना, केन-बेतवा परियोजना एवं पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना से चारों तरफ हरा-भरा होगा, किसानों को सिंचाई के साथ-साथ पीने के लिए पानी भी मिलेगा। लगभग 1 लाख करोड रुपए की लागत की केन बेतवा लिंक परियोजना को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मंजूरी दी है। इस महीने की 17 तारीख को लगभग 70000 करोड़ की लागत की पार्वती कालीसिंध चंबल लिंक परियोजना का भूमि पूजन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हाथों होने जा रहा है। इस परियोजना से मालवा क्षेत्र की पुरानी कहावत मालव देश गहन गंभीर, डगडग रोटी, पग पग नीर फिर से चरितार्थ होने वाली है। शाजापुर में मेडिकल कॉलेज की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 30 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, 08 मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन है और 14 मेडिकल कॉलेज टेण्डर स्तर पर हैं। टेण्डर स्तर पर स्थित मेडिकल कॉलेजों में से एक शाजापुर में मेडिकल कॉलेज और शुजालपुर में एक आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज खोला जायेगा।

दो सरपंचों को पंचायत प्रगति पत्रकों का वितरण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिले की ग्राम पंचायत खोरियाएमा सरपंच श्रीमती अनिता पाटीदार एवं सुन्दरसी सरपंच श्री देवीसिंह छावड़ी को ग्राम पंचायत का प्रगति पत्रक सौंपा। उल्लेखनीय है कि शाजापुर कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की पहल पर ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, कृषि एवं उद्यानिकी, राजस्व, स्कूल शिक्षा के संबंध में हुए कार्यों की जानकारी का संकलन किया गया है। यह पंचायत प्रगति पत्रक ग्राम पंचायतों में महत्वपूर्ण योजनाओं के लक्ष्य एवं प्रगति की संख्यात्मक जानकारी को प्रदर्शित करता है, इससे योजनाओं के मूल्यांकन में आसानी होगी। इसे हर माह तैयार किया जायेगा।

24 कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज शाजापुर में 22 करोड़ 43 लाख 37 हजार लागत के 13 कार्यों का लोकार्पण एवं 27 करोड़ 58 लाख 64 हजार रूपये लागत के 11 कार्यों का भूमिपूजन, इस प्रकार कुल 50 करोड़ 2 लाख रूपये लागत के 24 कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। लोकार्पित कार्यों में मुख्यमंत्री शहरी अधोसरंचना विकास योजना (द्वितीय चरण) अंतर्गत 787.83 लाख रुपए लागत के नवीन बस स्टेण्ड एवं शांपिंग कॉम्प्लेक्स, मक्सी के उप तहसील (टप्पा) लागत 124 लाख रुपए, शाजापुर के शासकीय पोलिटेक्निक महाविद्यालय में कार्यशाला लागत 155.23 लाख रुपए, एबी रोड से मो. बड़ोदिया मार्ग व्हाया डंगीचा मार्ग पर पुल निर्माण लागत 44.33 लाख रूपए, ग्राम पंचायत माल्याहेड़ी की गौशाला लागत 38.05 लाख रुपए, ग्राम पंचायत भंडेडी में गौशाला लागत 37.85 लाख रुपए, ग्राम पंचायत डाबरी में गौशाला लागत 38.05 लाख रुपए, कालापीपल में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना अंतर्गत ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन लागत 50 लाख रुपए, ग्राम नांदनी में आयुष औषधालय के नवीन भवन लागत 47.58 लाख रुपए, जनपद पंचायत मो. बड़ोदिया के ग्राम डंगीचा एवं हरियाणा में 71.16 लाख रुपए प्रति लागत से उप स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण, ग्राम गाडराखेडी से निपानियाकलां आम मार्ग (किसान सड़क निधी) लागत 117.13 लाख रुपए एवं बिरगोद तालाब नं-2 (नहर रहित) लागत 661.13 लाख रुपए का लोकार्पण हुआ। इसी तरह मक्सी में एसबीएम 2.0 योजनांतर्गत गडरोली वार्ड क्रमांक 15 में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण कार्य लागत 493 लाख रुपए, मुख्यमंत्री नगरीय अधोसरंचना विकास योजना के तहत कलेक्टर कार्यालय के सामने मॉ राजराजेश्वरी का तोरण द्वार निर्माण कार्य लागत 228.95 लाख रुपए, मो. बड़ोदिया में आई.टी.आई. छात्राओं के लिये 60 सीटर छात्रावास तथा 07 आवास गृह निर्माण कार्य लागत 1431.20 लाख रुपए, खेजड़िया स्टापडेम कम काजवे (बैराज) लागत 231 लाख रुपए, ग्राम पनवाडी एवं ग्राम बेहरावल में लागत 47.58 लाख रुपए प्रति की दर से शासकीय आयुर्वेद औषधालय नवीन भवन निर्माण, पागरावदकला, अमलाय, सिलोदा, आरोलिया में 65 लाख रूपये प्रति लागत उप स्वास्थ्य केंद्र तथा विधायक निधि से स्टेडियम ग्राउण्ड शाजापुर में मलखंब के लिए शेड निर्माण कार्य लागत 19.33 लाख रुपए का भूमिपूजन किया गया।

हितलाभ वितरण बस स्टेण्ड के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 07 हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। इसमें एमएसएमई प्रोत्साहन योजना के तहत सीमेंट प्रोडक्ट निर्माण के लिए श्रीमती मंजु पारिक को 44 लाख 68 हजार 416 रूपये का अनुदान, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत श्रीमती मोनिका परमार को बुटिक के लिए 02 लाख रूपये तथा कौशल्याबाई परमार को गारमेंट शॉप के लिए 04 लाख रूपये का ऋण, शहरी आजीविका मिशन योजना के तहत वेदांशी स्वसहायता समूह को धूप बत्ती निर्माण के लिए 03 लाख रूपये, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत मो. बड़ोदिया के संदीप पाटीदार को संतरा प्रसंस्करण के लिए 35 लाख 10 हजार रूपये का ऋण एवं 10 लाख रूपये का अनुदान, मध्यप्रदेश डे-ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 46 स्वसहायता समूहों को 106 लाख रूपये के स्वीकृति पत्र तथा फेम गुरूकुल एकेडमी मक्सी की छात्रा महक शर्मा को कक्षा 12वी में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में आने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांसद श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी ने संबोधित किया। विधायक श्री अरूण भीमावद ने संबोधित करते हुए शाजापुर जिले के विकास के लिए मांगे रखी। साहित्य अकादमी के निदेशक श्री विकास दवे ने पं. बालकृष्ण शर्मा नवीन का जीवन परिचय दिया। इसके पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच पर सर्वप्रथम कन्या पूजन एवं साहित्यकार पण्डित श्री बालकृष्ण शर्मा, स्व. श्री चांदमल जी राम व पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री एवं शाजापुर जिले के प्रभारी श्री नारायन सिंह कुशवाह, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदरसिंह परमार, विधायक कालापीपल श्री घनश्याम चन्द्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, नगरपालिका अध्यक्ष श्री प्रेम जैन व उपाध्यक्ष श्री संतोष जोशी, श्री अशोक नायक, पूर्व विधायक श्री जसवंतसिंह हाड़ा, श्री विजेन्द्र सिंह सिसोदिया, श्री बाबुलाल वर्मा, श्री फूलसिंह मेवाड़ा, श्री लालजीराम मालवीय, श्री मुरलीधर पाटीदार, श्री पुरूषोत्तम चन्द्रवंशी, उज्जैन संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता एवं पुलिस महानिरीक्षक श्री उमेश जोगा, कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना, पुलिस अधीक्षक श्री यशपाल सिंह राजपूत, जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, अपर कलेक्टर श्री बीएस सोलंकी सहित जनप्रतिनिधिगण एवं राजनीतिक दलों के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

कश्मीर घाटी में झरने जमे, 11 राज्यों में कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम, कई इलाकों में बारिश

नई दिल्ली। पश्चिमी हिमालयी राज्यों में ठंड ने तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। यहां पानी को जमा देने वाली ठंड पड़ने लगी है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में कई जगहों पर पारा शून्य से नीचे तक गिर गया है। ऊंची चोटियों पर झरने जम गए हैं। रेगिस्तानी राज्य राजस्थान में भी पारा पांच डिग्री तक दर्ज किया गया है। आईएमडी ने अगले दो दिन पंजाब और हरियाणा समेत 11 राज्यों में देर रात और सुबह के समय घना कोहरा छाये रहने का अलर्ट जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में ताजा पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कई इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी हो सकती है। कश्मीर घाटी में गुलमर्ग समेत कई जगहों पर पारा शून्य से नीचे चला गया है। शनिवार को श्रीनगर में माइनस 2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, हालांकि एक दिन पहले के 4.1 डिग्री की तुलना में यह कुछ अधिक रहा, लेकिन बर्फबारी के बाद तापमान में और गिरावट आने का अनुमान है।

सीएम ने पोलियोरोधी खुराक पिलाकर की अभियान की शुरुआत

मप्र के 16 जिलों में 38 लाख बच्चों को दवा पिलाने लक्ष्य

भोपाल। पोलियो सुरक्षा चक्र बनाए रखने के लिए 8 दिसंबर को जन्म से 5 साल तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पोलियो की खुराक पिलाकर सीएम निवास से किया। अभियान के तहत प्रदेश के 16 जिलों में 5 साल तक की उम्र के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। इस मौके पर सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने स्वास्थ्य को प्राथमिकता पर रखा है। इसे लेकर हमने मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य विभाग को एक किया है। हमारे हर लोक सभा क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज हैं, आज की स्थिति में 30 कॉलेज हैं, वहीं 8 निर्माणाधीन है। अगले डेढ़ साल में यह संख्या करीब 52 मेडिकल कॉलेज हो जाएंगे। भोपाल में साढ़े तीन लाख से अधिक बच्चों को दवा की खुराक दी जाएगी। दूसरी तरफ ट्रेनों में भी अभियान के तरह दवा पिलाई जाएगी। भोपाल रेल मंडल से गुजरने वाली ट्रेनों एवं स्टेशन पर भी बच्चों को प्लस पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी।

चलती ट्रेनों और स्टेशनों पर पिलाई पोलियों की खुराक भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि हमारे द्वारा 20 बूथों की स्थापना की गई है मंडल रेल चिकित्सालय भोपाल, स्वास्थ्य केन्द्र हबीबगंज, कोच फैक्ट्री निशातपुरा, रेलवे स्टेशनों जैसे भोपाल, रानी कमलापति, संत हिरदाराम नगर और विदिशा, पर पोलियो दवा पिलाने के लिए 20 बूथ लगाए गए हैं। बीना और इटारसी की ओर जाने वाली 8 ट्रेनों में बच्चों को यात्रा के दौरान पोलियो की खुराक दी जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि, यह अभियान पोलियो उन्मूलन और छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रेलवे की टीम ने सटीक योजना के साथ लक्षित आयु वर्ग के 100त्न बच्चों तक पहुंचने का प्रयास किया है।

पीएम ने विद्रोहियों को सत्ता सौंपने का दिया प्रस्ताव

सीरिया के राष्ट्रपति ने दिया इस्तीफा, देश छोड़कर भागे

लोगों ने राष्ट्रपति भवन लूटा, राजधानी दमिश्क पर किया कब्जा

दमिश्क। सीरिया में रविवार को तख्तापलट हो गया। यहां के राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़कर भाग गए। वहीं, विद्रोही लड़ाकों ने रविवार को राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया है। सेना ने भी राष्ट्रपति असद के देश छोड़ने की पुष्टि करते हुए कहा कि राष्ट्रपति की सत्ता खत्म हो चुकी है। सीरिया में पिछले 11 दिनों से विद्रोही गुटों और सेना के बीच कब्जे के लिए लड़ाई चल रही थी। असद के देश छोड़ने के बाद सीरियाई पीएम ने विद्रोहियों को सत्ता सौंपने का प्रस्ताव दिया है। पीएम मोहम्मद गाजी अल जलाली ने एक वीडियो में कहा है कि वो देश में ही रहेंगे और जिसे भी सीरिया के लोग चुनेंगे, उसके साथ मिलकर काम करेंगे। उधर, लोग असद सरकार के गिरने की खुशी मना रहे हैं। लोगों के सेना के टैंकों पर चढ़कर सेलिब्रेट करने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

एक हफ्ते में चार बड़े शहरों पर कब्जा पिछले एक हफ्ते में विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क के अलावा सीरिया के चार बड़े शहरों पर कब्जा कर लिया है। इनमें अलेप्पो, हमा, होम्स और दारा शामिल हैं। विद्रोही लड़ाके राजधानी दमिश्क में दारा शहर की तरफ से घुसे थे, जिस पर उन्होंने 6 दिसंबर को कब्जा किया था। दारा वही शहर है, जहां से 2011 में राष्ट्रपति बशर अल-असद के खिलाफ विद्रोह की शुरूआत हुई थी और पूरे देश में जंग छिड़ गई थी। दारा से राजधानी दमिश्क की दूरी करीब 100 किमी है। यहां स्थानीय विद्रोहियों ने कब्जा किया है। वहीं, अलेप्पो, हमा और होम्स इस्लामी चरमपंथी ग्रुप हयात तहरीर अल-शाम की गिरफ्त में है। संघर्ष की वजह से अब तक 3.70 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है।

11 दिन में सत्ता गंवाई, खत्म हुआ 50 साल का शासन सीरिया में 27 नवंबर को सेना और सीरियाई विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम (ल्ळ्र) के बीच 2020 के सीजफायर के बाद फिर संघर्ष शुरू हुआ था। इसके बाद 1 दिसंबर को विद्रोहियों ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। इसे राष्ट्रपति बशर अल असद ने सीरिया की जंग के दौरान 4 साल की लड़ाई के बाद जीता था। अलेप्पो जीतने के 4 दिन बाद विद्रोही गुटों ने एक और बड़े शहर हमा और फिर दक्षिणी शहर दारा पर कब्जा कर लिया। इसके बाद राजधानी दमिश्क को दो दिशाओं से घेर लिया है। दारा और राजधानी दमिश्क के बीच सिर्फ 90 किमी की दूरी है। इस तरह असद ने सिर्फ 11 दिन के भीतर अपनी सत्ता गंवा दी और सीरिया पर असद परिवार के 50 साल का शासन खत्म हुआ।

किसान आंदोलन का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली में शंभू बॉर्डर पर किसान डटे हुए हैं। वहीं, किसानों के प्रदर्शन के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। दरअसल, किसानों के प्रदर्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में पंजाब-हरियाणा में राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों को खोलने का निर्देश देने की मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि राज्य के विभिन्न स्थानों पर कथित किसानों और किसान यूनियनों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण और अवरोध किया गया है। यह लोगों के मौलिक अधिकारों के खिलाफ है। साथ ही यह बीएनएस के तहत भी अपराध है। ऐसे में पंजाब और हरियाणा राज्य के साथ ही केंद्र सरकार हाइवे से किसानों को हटाए। साथ ही इसमें यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई है कि सभी राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे ट्रैक आंदोलनकारी किसानों द्वारा अवरुद्ध न किए जाएं। जनहित याचिका में यह निर्देश देने की मांग की गई है कि राज्यों और केंद्र सरकार को आम जनता के लिए सुगम मार्ग सुनिश्चित करना चाहिए। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 9 दिसंबर को सुनवाई करेगा।

मेट्रो के रूट में नहीं होगा बदलाव, अंडरग्राउंड हिस्से का काम होगा अब शुरू

कान्ह नदी के नीचे से गुजरेगी मेट्रो, बनेगी 50 मीटर लंबी सुरंग

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। शहर के मध्य हिस्से में अंडरग्राउंड मेट्रो रूट का काम शुरू होगा। मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने इसकी तैयारी कर ली है। जानकारी के मुताबिक मेट्रो के रूट में कोई बदलाव नहीं होगा, वहीं कान्ह नदी के नीचे से मेट्रो की लाइन डालने के लिए 50 मीटर की लंबाई में सुरंग खोदी जाएगी।
फिलहाल गांधी नगर से रीगल तक के हिस्से तक 8 किलोमीटर लंबाई में काम होगा। तीन माह पहले जनप्रतिनिधियों की मांग पर मध्य हिस्से के रूट में बदलाव के मद्देनजर सर्वे करने के निर्देश नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दिए थे, लेकिन मेट्रो के रूट का नोटिफिकेशन जारी होने के बाद इसकी संभावना कम है। मेट्रो नाथ मंदिर से अंडरग्राउंड चलेगी। अंडरग्राउंड हिस्से के निर्माण की शुरूआत गांधी नगर से एरोड्रम वाले हिस्से में हो रही है। रोबोट चौराहा से रीगल तक 8 किलोमीटर हिस्से में काम बाद में किया जाएगा।

मेट्रो स्टेशन के लिए हटाई जाएंगी बाधाएं
अंडरग्राउंड मेट्रो के लिए स्टेशन भी बनना है। इसके लिए कुछ निर्माण हटाए जाएंगे,ताकि निर्माण के लिए साइट क्लीयर हो सके। मेट्रो के अंडरग्राउंड काम शुरू करने के लिए बीएसएफ ने भी कुछ उनके परिसर में काम करने की अनुमति दी है। अंडरग्राउंड हिस्से आठ मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इसके लिए नगर निगम ने मेट्रो रेल कार्पोरेशन को निर्माण की मंजूरी दे दी है। इसके अलावा कान्ह नदी के नीचे से मेट्रो गुजरेगी। इसके लिए 50 मीटर लंबाई में नदी के नीचे सुरंग बनाई जाएगी। इसके लिए भी कार्पोरेशन ने सर्वे पूर्ण कर लिया है। कान्ह नदी के बाद सदरबाजार क्षेत्र में मेट्रो का स्टेशन होगा। पहले यह स्टेशन राजवाड़ा पर बनना था, लेकिन पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन द्वारा शहर के पुरातत्व महत्व के राजवाड़ा को खुदाई से होने वाले नुकसान का मुद्दा उठाने के बाद राजवाड़ा के बजाए सदरबाजार में स्टेशन बनाने का फैसला लिया गया। अंडरग्राउंड हिस्से में सबसे बड़ा मेट्रो स्टेशन रीगल तिराहे पर बनेगा। एयरपोर्ट के यात्रियों के लिए मेट्रो का स्टेशन एयरपोर्ट परिसर के समीप ही बनाया जाएगा।

दोस्त की पत्नी को शादी का झांसा दिया, फिर छोड़कर भागा

सालभर तक साथ रखकर करता रहा दुष्कर्म

सिटी चीफ इंदौर।
कनाड़िया थाना पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत पर उसके पति के दोस्त के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया है। आरोपी ने करीब एक साल तक पीड़िता को अपने साथ रखा और शादी का झांसा देकर उसके साथ रेप करता रहा। बाद में पीड़िता को छोड़कर घर से भाग गया और मोबाइल बंद कर लिया।
कनाड़िया पुलिस ने इलाके में किराये के घर में रहने वाली एक 30 साल की महिला की शिकायत पर उसके पति के दोस्त सूरज सरदार पर केस दर्ज किया है। महिला ने बताया कि सूरज से उसकी पहचान पूर्व पति के माध्यम से हुई, सूरज उसका दोस्त है।
उसके घर पर सूरज का आना-जाना लगा रहता था। पति मारपीट करते थे तो उनसे अलग होने का मन बनाया। इसके बाद मां के पास आकर रहने लगी। पति को लेकर सूरज से बातचीत होती थी। इसके बाद एक दो बार मिलना-जुलना भी हुआ। सूरज ने कहा कि वह उसे पसंद करता है, शादी करना चाहता है। लेकिन उसने कहा कि कुछ समय हम साथ रहे तो एक दूसरे को ठीक से समझने लग जाएंगे। इसके बाद एक साल पहले उसके साथ रहने एक घर में पहुंची। सूरज ने यहां आने के पहले साथ में रखने के लिये वकील के माध्यम से लिव इन रिलेशनशिप के पेपर तैयार करवाए। सूरज ने सबंध बनाने को लेकर दबाव बनाया, तब पीड़िता ने कहा कि शादी के पहले यह सब ठीक नहीं रहेगा। लेकिन सूरज दबाव बनाकर रेप करने लगा। 31 अक्टूबर को सूरज ने महिला के चरित्र पर इल्जाम लगाकर मारपीट की। इसके बाद संबंध बनाने की कोशिश की तो पीड़िता ने उसे रोक दिया। इस पर आरोपी मारपीट करने लगा। उसे थाने जाने की बात की तो सूरज ने जान से मारने की धमकी दी और घर में बंद कर चला गया।
शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी 26 नवंबर को सूरज बिना बताए घर से चले गया। उससे मोबाइल पर बात की तो कहा कि वह उसे साथ नहीं रखना चाहता। उसने धमकी दी कि जहां जाना चाहती है, चले जाए। उसने कहा कि लिव इन रिलेशनशिप के पेपर उसके पास रखे हैं, वह उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। इसके बाद एक दिन पहले 6 और 7 नवंबर की देर रात में सूरज का कॉल आया ओर डराने धमकाने लगा कि अगर उसके खिलाफ कही शिकायत की तो वह उसे जान से मरवा देगा। बाद में मां से बात की ओर थाने आकर पीड़िता ने शनिवार को केस दर्ज करा दिया।

महापौर बोले- नगर निगम जल्द लॉन्च करेगा अपना डिजिटल पोर्टल

शहर में 9 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के 2040-50 तक के विकास को ध्यान में रखते हुए शहर को डिजिटल सिटी बनाने की दिशा में नगर निगम लगातार काम कर रहा है। निगम जल्द ही अपना डिजिटल पोर्टल लॉन्च करेगा। सभी पार्षदों और जनप्रतिनिधियों को साल में दो बार अपने क्षेत्र के विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड जनता के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए। यह बात महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने रविवार वार्ड क्रमांक 49 में 9 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कही। महापौर ने बताया कि उनके कार्यकाल में अब तक 800 किमी पेयजल लाइन, 600 किमी ड्रेनेज लाइन और 25 से अधिक पुल-पुलियों का निर्माण हुआ है। इसके अतिरिक्त, वर्तमान में 500 करोड़ की लागत से 21 प्रमुख सड़कों का निर्माण कार्य चल रहा है। भार्गव ने यह भी कहा कि इंदौर अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। विधायक महेंद्र हार्डिया ने कहा कि नगर निगम द्वारा चलाए गए रेनवाटर हार्वेस्टिंग अभियान में वार्ड क्रमांक 49 के रहवासी सहयोग करेंगे, तो क्षेत्र में कभी भी बोरिंग नहीं सूखेगी। उन्होंने सभी रहवासियों से अपने घरों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए एक वाहन उपलब्ध कराने की घोषणा की।

स्टार्म लाइन डालने और सीमेंटीकरण के कार्यों का भूमिपूजन
जिन कामों के लिए भूमिपूजन किया गया उनमें वंदन नगर सी-79 से अर्चना मेडिकल तक स्टॉर्म वॉटर लाइन, गोयल नगर जैन मंदिर से महावीर नगर उद्यान तक स्टॉर्म वॉटर लाइन, तिलक नगर मुक्तिधाम से बड़ी ग्वालटोली नाले तक स्टॉर्म वॉटर लाइन डाली जाना है। इसके अलावा श्री जी वाटिका में सम्पूर्ण रोड का सीमेंटीकरण, महावीर नगर पानी की टंकी की कंपाउंड वॉल का निर्माण, संविद नगर में अम्मा कॉम्प्लेक्स से मकान नंबर 150/3 तक रोड का सीमेंटीकरण, तिलक नगर एक्सटेंशन में मकान नंबर 51 के पीछे बैक लाइन में रोड का सीमेंटीकरण, कृषि विहार कॉलोनी में बगीचे के आसपास पेव्हर ब्लॉक, तिलक नगर मेन रोड पर स्टॉर्म वॉटर लाइन, गोयल नगर, महावीर नगर और साईनाथ कॉलोनी में स्टॉर्म वॉटर लाइन, तिलक नगर की गली नंबर 11 में श्री कृष्ण पब्लिक स्कूल से अग्रवाल स्टोर्स तक गली चौड़ीकरण, स्टॉर्म वॉटर लाइन और सीमेंट कंक्रीट कार्य सहित अन्य कार्य शामिल हैं।

इन कामों का किया गया लोकार्पण
पुष्प वाटिका, साईनाथ कॉलोनी, गोयल नगर, वंदना नगर सेक्टर बी एवं सेक्टर 3 और कृषि विहार के उद्यानों में झूले, फिसल पट्टी और ओपन जिम।
तिलक नगर एक्सटेंशन और संविद नगर में नई सड़कें।
बख्तावर नगर में बोरिंग का कार्य।
संविद नगर में झाड़ू वाली गली में नई ड्रेनेज लाइन।
संविद नगर में मकान नंबर 118/3 से राम सिलावट के मकान तक ड्रेनेज लाइन।
संविद नगर में मकान नंबर 132 से महावीर नगर मकान नंबर 01 तक नई ड्रेनेज लाइन।
गोयल नगर में मकान नंबर 421 से शक्ति नगर मकान नंबर 19 तक नई ड्रेनेज लाइन।
गोयल नगर में मकान नंबर 45 से मकान नंबर 158, 159 होते हुए महावीर नगर पानी की टंकी तक नई ड्रेनेज लाइन।
संविद नगर में मकान नंबर 47/3 से संतोषी माता मंदिर तक नई ड्रेनेज लाइन।
गोयल नगर रीजेंसी में चमेली पार्क के पीछे मकान नंबर 445 से अर्चना मेडिकल तक स्टॉर्म वॉटर लाइन।
विनोबा नगर खदान में संजीवनी क्लिनिक का निर्माण।
कृषि विहार उद्यान की बाउंड्री वॉल और पाथवे का निर्माण।
गोयल नगर एक्सटेंशन बगीचे का समग्र विकास कार्य।

इंदौर से शारजाह जा रहा था यात्री, सबसे ज्यादा डॉलर निकले

एयरपोर्ट पर यात्री के बैग में मिली 26 लाख की विदेशी मुद्रा

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर एयरपोर्ट पर एक यात्री की बैग की तलाशी के दौरान 26 लाख मूल्य की विदेशी मुद्रा मिली। मुद्रा अलग-अलग देशों की है। यात्री आय का स्त्रोत नहीं बता पाया। इसके चलते इंदौर सीमा शुल्क ने उस मुद्रा को जब्त कर लिया है। यात्री विदेशी मुद्रा लेकर इंदौर से शारजाह जा रहा था। यात्री के पास सबसे ज्यादा डॉलर मिले।
एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट संख्या आईएक्स-255 में इंदौर से शारजाह जा रहे एक यात्री की इंदौर के सामान की सीआईएसएफ कर्मियों ने जांच की। एक बैग में अलग-अलग देशों की मुद्रा देखकर कर्मी चौंक गए और उन्होंने वरिष्ठ अफसरों को सूचना दी। यात्री के ट्रॉली बैग की तलाशी के दौरान बिना किसी वैधानिक दस्तावेज के अमेरिकी डॉलर,न्यूजीलैंड डॉलर,पाउंड,रियाल,यूरो मिले। सबसे ज्यादा आठ हजार डॉलर बैग में थे।
भारतीय करंसी में विदेशी मुद्रा की कीमत 26 लाख रुपए है। फिलहाल विभाग मामले की जांच कर रहा है। यात्री से पूछताछ जारी है कि वह शारजाह में विदेशी मुद्रा कहां ले जा रहा था।

कचरा फेंकने गया युवक कुएं में गिरा...

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के हुकुम चंद मिल के कुएं में रविवार शाम करीब 4 बजे एक व्यक्ति गिर गया। वह घर का कचरा डालने गया था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया। पुजारी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला। जानकारी के मुताबिक सर्वहारा नगर निवासी दीपक अनूठे के यहां बेटे की मान (मन्नत) थी। रविवार शाम को वह कचरा फेंकने कुएं पर गया। जैसे ही उन्होंने कचरा फेंका वे भी फिसल गए और कुएं में जा गिरे। मंदिर के पुजारी को सूचना मिली तो उन्होंने पुलिस को खबर दी। पुलिस ने सीढ़ी डालकर युवक को निकालने की कोशिश की। काफी मशक्कत के बाद भी वह चढ़ नहीं पा रहा था। इसके बाद एक युवक दूसरी रस्सी से कुएं में उतरा और उसे बांधकर ऊपर चढ़ाया गया। हालांकि कुछ ऊपर चढ़ने के बाद युवक ने फिर हाथ छोड़ दिए। इसके बाद कुएं के ऊपर रस्सी पकड़े लोगों ने उसे खींचकर बाहर निकाला। पुजारी विजय का कहना है कि यहां बंद मिल में शिव मंदिर बना हुआ है।

महाराष्ट्र के व्यापारियों ने इंदौर आकर व्यापारियों से लिए थे रुपए

शकर भेजने के नाम पर ढाई करोड़ की धोखाधड़ी

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। शहर के व्यापारियों से ढाई करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने महाराष्ट्र के व्यापारियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। करीब 6 माह पहले व्यापारियों द्वारा की गई शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने यह कार्रवाई की है।
आरोपी महाराष्ट्र के दो साझेदार हैं। उन्होंने इंदौर में व्यापारियों से बैठक करने के बाद उन्हें माल देने का आश्वासन दिया और उनसे करीब ढाई करोड़ रुपए ले लिए। क्राइम ब्रांच इंदौर ने मितेश नहाटा मालिक मेसर्स भूलेश्वरी शुगर पता पुणे महाराष्ट्र और उसके साथी साजन पुत्र सदाशिव पांचपूते निवासी देवधान सुरूर अहमदनगर के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज किया हैं।

माल नहीं भेजने पर 12.57 लाख रुपए किए थे वापस
दोनों ने इंदौर आकर व्यापारियों से मीटिंग की, जो ब्रोकर के माध्यम से आयोजित की गई थी। व्यापारियों को शक्कर इंदौर में डिलीवरी करने का भरोसा दिलाया। जिसमें सौदा तय करने के बाद सभी से पेमेंट लिया गया। व्यापारियों ने क्राइम ब्रांच को बताया कि मितेश ने सभी व्यापारियों से करीब 2 करोड़ 59 लाख 68 हजार रूपए लिए थे। जिसमें माल नही भेजने पर 12 लाख 57 हजार रूपए वापस कर दिए। वही 2 करोड़ 47 लाख 11 हजार रूपए अभी तक बकाया हैं। वही साजन ने भी कुछ व्यापारियों से 44 लाख 25 हजार रूपए लिये गए थे। जिसमें 29 लाख 70 हजार रूपए वापस किए गए।
जिसमें 14 लाख 55 हजार रूपए अभी तक बकाया है। दोनों से कुल मिलाकर 2 करोड़ 61 लाख 66 हजार रूपए की राशि लेना बकाया निकल रही हैं।

16 जिलों में 38 लाख बच्चों को दवा पिलाने लक्ष्य

सीएम ने पोलियोरोधी खुराक पिलाकर किया अभियान का शुभारंभ

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। पोलियो सुरक्षा चक्र बनाए रखने के लिए 8 दिसंबर को जन्म से 5 साल तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पोलियो की खुराक पिलाकर सीएम निवास से किया। अभियान के तहत प्रदेश के 16 जिलों में 5 साल तक की उम्र के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी।

इस मौके पर सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने स्वास्थ्य को प्राथमिकता पर रखा है। इसे लेकर हमने मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य विभाग को एक किया है। हमारे हर लोक सभा क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज हैं, आज की स्थिति में 30 कॉलेज हैं, वहीं 8 निर्माणाधीन है। अगले डेढ़ साल में

यह संख्या करीब 52 मेडिकल कॉलेज हो जाएंगे। भोपाल में साढ़े तीन लाख से अधिक बच्चों को दवा की खुराक दी जाएगी। दूसरी तरफ ट्रेनों में भी अभियान के तरह दवा पिलाई जाएगी। भोपाल रेल मंडल से गुजरने वाली ट्रेनों एवं स्टेशन पर भी बच्चों को प्लस पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार अभियान के पहले दिन ही अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो बूथ पर दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया हैं, इसके लिए भोपाल जिले में 3,020 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। इन बूथों पर 6,075 टीका कर्मी दवा पिलाएंगे। शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं और प्राइवेट संस्थाओं में भी पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, ईट भट्टे, क्रेशर, निर्माण स्थल, मेला स्थल, बाजारों में भी दवा पिलाने की व्यवस्था की गई हैं। अभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, नगर निगम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नर्सिंग कॉलेज एवं एनजीओ द्वारा भी सहयोग दिया जा रहा हैं।

400 मोबाइल टीमें बनाई

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पोलियो अभियान प्रदेश के 16 जिलों के लिए रखा गया है। इसके लिए प्रदेश भर में 28 हजार बूथ बनाए हैं, यह 38 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का टारगेट है, इसके अलावा 420 मोबाइल टीम भी बनाई है। इस अभियान में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन पीडियाट्रिक एसोसिएशन के अलावा डब्ल्यूएचओ का सहयोगी के रूप में विभाग के साथ शामिल हैं।

चलती ट्रेनों और स्टेशनों पर पिलाई पोलियों की खुराक

भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि हमारे द्वारा 20 बूथों की स्थापना की गई है मंडल रेल चिकित्सालय भोपाल, स्वास्थ्य केन्द्र हबीबगंज, कोच फैक्ट्री निशातपुरा, रेलवे स्टेशनों जैसे भोपाल, रानी कमलापति, संत हिरदाराम नगर और विदिशा, पर पोलियो दवा पिलाने के लिए 20 बूथ लगाए गए हैं।

बीना और इटारसी की ओर जाने वाली 8 ट्रेनों में बच्चों को यात्रा के दौरान पोलियो की खुराक दी जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि, यह अभियान पोलियो उन्मूलन और छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रेलवे की टीम ने सटीक योजना के साथ लक्षित आयु वर्ग के 100त्न बच्चों तक पहुंचने का प्रयास किया है।

25 हजार यात्री दो साल से सिटी बसें चलने का कर रहे इंतजार

सिक्स लेन का सिविल वर्क पूरा होने के बाद भी भोपाल बीसीएलएल नहीं दे रहा ध्यान

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। कोलार के कजलीखेड़ा से लेकर गौरव नगर तिराहे तक बनी करीब तीन दर्जन से अधिक कालोनियों के लगभग 25 हजार से अधिक बस यात्री लो-फ्लोर बसों के संचालन का इंतजार पिछले दो साल से कर रहे हैं। चूंकि उक्त रोड के सिक्स लेन का सिविल वर्क पूरा हो चुका है। इसके बावजूद भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) इस तरफ ध्यान नहीं दे रहा। इसके चलते बड़े बुजुर्ग, छात्र और महिलाओं को सबसे अधिक दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय रहवासियों ने बताया कि पूर्व में एसआर 8 और 204 नंबर की लो-फ्लोर बसें कजलीखेड़ा तक चलती थी। जिनका पुनः संचालन किया जाना चाहिए। कोरोना काल के बाद कुछ दिनों के लिए बसों का संचालन शुरू किया गया था, लेकिन बाद में सिक्स लेन निर्माण के कारण बंद कर दिया गया, लेकिन अब यहां सिविल वर्क पूरा हो चुका है। इसके बावजूद बसें नहीं चलाई जा रही। उधर इस संबंध में बीसीएलएल का कहना है कि सिक्स लेन प्रोजेक्ट का काम पूरा होने के बाद सुचारू रूप से बसों का संचालन निगम की सीमा तक किया जाएगा।

दानिश से सनखेड़ी होते हुए कजलीखेड़ा तक चल सकती हैं बसें वर्तमान में सिक्स लेन निर्माण के कारण कोलार मेन रोड पर बसों का संचालन बंद है। बस यात्रियों की सुविधा के लिए उक्त रूट की बसें पिछले जेके टाउन से होते हुए दानिश चौराहे तक चलाई गईं। हालांकि इन बसों को सनखेड़ी-हिनौतिया आलम होते हुए कजलीखेड़ा तक चलाया जा सकता है। हालांकि आइबीडी रहवासी अरविंद्र श्रीवास्तव का कहना है कि रहवासी चाहते हैं कि पूर्व की भांति लो-फ्लोर बसों का संचालन कजलीखेड़ा तक किया जाना चाहिए। दृष्टि प्लाजा, इंग्लिश विला, ईशान विष्ठा, आइबीडी हालमार्क सिटी, राय पिंक सिटी फेस 1 व 2, ट्यूलिप ग्रीन, टूलिप हाइट्स फेथ, बोरदा, थुआखेड़ा, कजलीखेड़ा, माय सिटी समेत उक्त रोड पर कई शैक्षणिक संस्थान के छात्र भी लो-फ्लोर बसों के नहीं चलने से दो साल से परेशान हैं। इससे ज्यादा परेशानी रहवासियों, छात्र-छात्राओं, बुजुर्गों और महिलाओं को स्टेशन, बस स्टैंड, स्कूल, कालेज व कोचिंग संस्थान तक जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बदनाम करने और जान से मारने की धमकी देकर आठ महीने से कर रहा था

कोचिंग सेंटर में दो छात्राओं से दुष्कर्म, संचालक गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल के छोला मंदिर थाना क्षेत्र में संचालित एक कोचिंग सेंटर में दो छात्राओं से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। कोचिंग संचालक वीरेंद्र त्रिपाठी दोनों छात्राओं को बदनाम करने और जान से मारने की धमकी देकर पिछले आठ महीने से वारदात को अंजाम दे रहा था। दोनों छात्राएं मौसेरी बहनें हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपित एक्स्ट्रा क्लास के नाम पर दोनों को अलग-अलग समय पर कोचिंग बुलाकर उनके साथ अश्लील हरकतें करता था। पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि कहीं उसने कुछ और छात्राओं को तो अपना शिकार नहीं बनाया है। छोला मंदिर थाना पुलिस के अनुसार क्षेत्र की एक कालोनी में रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी कक्षा आठवीं की छात्रा है। जबकि उसकी मौसी की 20 वर्षीय बेटी 12वीं में पढ़ती है। दोनों कालोनी में वीरेंद्र त्रिपाठी के कोचिंग सेंटर में पढ़ने जाती थीं।

कोचिंग में अकेला होने का उठाया फायदा

16 अप्रैल को आठवीं की छात्रा कोचिंग में अकेली थी, तभी वीरेंद्र ने डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके बाद से वह लगातार पीड़िता को अपनी हवस का शिकार बना रहा था। पीड़िता ने परेशान होकर इसकी जानकारी उसकी बड़ी बहन को दी। वह 10 अक्टूबर को विरोध जताने छोटी बहन के साथ कोचिंग पहुंच गई।

बहन विरोध करने पहुंची तो उसे भी बनाया बंधक

आरोपित ने दोनों बहनों को बंधक बना लिया। धमकाया कि उसने दोनों के फोटो खींच रखे हैं। किसी को कुछ बताया तो बदनाम कर देगा। इसके बाद उसने बड़ी बहन के साथ भी दुष्कर्म किया। करीब दो महीने तक वह डरा-धमकाकर दोनों का शारीरिक शोषण करता रहा। उसकी करतूतों से परेशान होकर दोनों बहनों ने पूरी बात परिजन को बता दी। पुलिस ने दोनों बहनों की शिकायत पर अलग-अलग एफआइआर दर्ज की है।

वरिष्ठता के आधार पर नियमित करने की मांग

अतिथि शिक्षकों ने मंत्री विधायकों को दिए ज्ञापन

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल में रविवार को अतिथि शिक्षकों के एक दल ने अपनी मांगों को लेकर मंत्री और विद्यायकों को ज्ञापन सौंपे। इसमें उन्होंने कायार्नुभव और वरिष्ठता के आधार पर अतिथि शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित (पद स्थायित्व) कराने जैसी मांग की। अतिथि शिक्षकों के इस दल में अशोक भार्गव और लोकेश और उत्कृष्ट सिंगरौली शामिल रहे।

अतिथ शिक्षक सुमित पाठक ने बताया कि मध्यप्रदेश के शासकीय स्कूलों में अल्प मानदेय पर अतिथि शिक्षक 15-16 सालों से ईमानदारी के साथ सेवा देते आ रहे हैं। मगर आज तक भविष्य अंधकारमय बना हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी मागों में कायार्नुभव और वरिष्ठता के आधार पर अतिथि शिक्षकों की वर्ग वार, विषयवार विभागीय परीक्षा आयोजित कर नियमित शिक्षक बनाने का प्रस्ताव पारित किया जाए। इसके अलावा जब तक विभागीय परीक्षा नहीं होती। तब तक 12 महीने का सेवाकाल एवं 65 साल की उम्र तक पद स्थायित्व करने, उक्त पद को रिक्त न मानने का प्रस्ताव पारित किया जाए। आजाद अतिथि शिक्षक संघ से सुमित पाठक ने मंत्री विश्वास सारंग के अलावा कृष्णा गौर, रामेश्वर शर्मा और भगवान दास सबनानी को ज्ञापन दिए।

ये भी हैं मांगें

-2 सितंबर 2020 को अतिथि शिक्षक महापंचायत में हुई समस्त घोषणाओं के आदेश तत्काल जारी करने का प्रस्ताव पारित किया जाए।

-साल 2011 से लेकर वर्तमान तक हुई समस्त शिक्षक पात्रता परीक्षाओं में से किसी भी एक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण अतिथि शिक्षकों को कायार्नुभव और वरिष्ठता का लाभ देते हुए सीधे नियमित शिक्षक बनाए जाने का प्रस्ताव पारित हो।

-जो अतिथि शिक्षक वर्तमान में सीधी भर्ती, स्थानांतरण, उच्चपद प्रभार, अतिशेष शिक्षक इत्यादि कारणों से बाहर हैं, उन्हें रिक्त पदों पर पहली प्राथमिकता के साथ संकुल/ब्लॉक/जिला/अन्य जिले में समायोजित किया जाए।

मास्टर माइंड चपरासी सहित छह गिरफ्तार, लोन लेकर सब्सिडी हड़पने की भी थी तैयारी

बैंक मैनेजर की मिली भगत से चपरासी ने किया 10 करोड़ का घोटाला

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। बीज प्रमाणीकरण संस्था की सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इमामीगेट शाखा में जमा 10 करोड़ की एफडी को बैंक मैनेजर की मिली भगत से तोड़कर रुपये हड़पने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। इस धोखाधड़ी के मास्टर माइंड और संस्था के भृत्य सहित छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने जमीन, भूखंड की रजिस्ट्री जब्त करते हुए विभिन्न खातों में जमा 51 लाख रुपये होल्ड करवाए हैं। इस मामले में बैंक मैनेजर की तलाश की जा रही है। डीसीपी जोन-तीन, रियाज इकबाल ने बताया कि 14 सितंबर 2024 को बीज प्रमाणीकरण अधिकारी सुखदेव प्रसाद अहिरवार ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसमें बताया कि संस्था के भृत्य बीडी नामदेव ने सेंट्रल बैंक, इमामीगेट शाखा के मैनेजर नोयलसिंह से मिलीभगत कर संस्था की 10 करोड़ की एफडी तुड़वाकर राशि हड़प ली है। पुलिस ने दोनों आरोपितों पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी।

फर्जी सील और हस्ताक्षर से किया खेल

बीडी नामदेव ने संस्था के बाबू दीपक पंथी एजेंट शैलेंद्र प्रधान उर्फ आचार्य बाबा और सेंट्रल बैंक के मैनेजर नोयलसिंह के साथ मिलकर पूरा षड्यंत्र रचा।

इन लोगों ने बीज प्रमाणीकरण संस्था की 10 करोड़ की दो एफडीआर को सेंट्रल बैंक में जमा करवाया। बीडी नामदेव और दीपक पंथी ने संस्था की मूल एफडी हासिल कर ली। बैंक मैनेजर ने एक फर्जी एफडी को संस्था को गुमराह करने के लिए रख दिया। विभाग की फर्जी सील और विभाग प्रमुख के कूट रचित हस्ताक्षर से तैयार दस्तावेज में भृत्य बीडी नामदेव को आहरण एवं वितरण अधिकारी बना दिया गया।

पांच-पांच करोड़ की डीडी तैयार की

बैंक मैनेजर की मिली भगत से 10 करोड़ की एफडी तोड़कर पांच-पांच करोड़ की दो डीडी तैयार की गई। एमपी नगर स्थित यश बैंक के सेल्स मैनेजर धनंजय गिरि से साठगांठ कर बिना भौतिक सत्यापन के खाता खुलवाया गया। इसमें खाता धारक बीडी नामदेव को बीज प्रमाणीकरण अधिकारी बताया गया। इस खाते में डीडी की 10 करोड़ की राशि ट्रांसफर की गई। इस राशि को शैलेंद्र प्रधान उर्फ बाबा ने अपने साथियों के साथ मिलकर विभिन्न बैंकों में फर्जी फर्म तैयार कर उनके नाम से लगभग 50 चालू खाते खुलवाकर ट्रांसफर करवा लिया। खाता धारकों को कमीशन देकर हड़पी गई राशि निकाल ली गई। उससे जमीन, भूखंड खरीद लिया गया।

ये हुए गिरफ्तार

इस मामले में गौतम नगर, गोविंदपुरा निवासी 53 वर्षीय बीडी नामदेव (भृत्य), विदिशा निवासी 44 वर्षीय दीपक पंथी (बाबू), यश बैंक का सेल्स मैनेजर बावड़ियाकलां निवासी 48 वर्षीय धनंजय गिरि, रामायण बिल्डिंग, कटारा हिल्स निवासी 62 वर्षीय शैलेन्द्र प्रधान उर्फ आचार्य बाबा (फर्जी फर्म बनाकर खाते खुलवाए), हालमार्क सिटी, कोलार रोड निवासी 50 वर्षीय राजेश शर्मा (ऐजेंट), सिंधी कालोनी सीहोर निवासी 44 वर्षीय पियूष शर्मा (एजेंट) को गिरफ्तार किया गया है।

22 वर्षीय महिला ने गमछे से फांसी लगाकर दी जान

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल के पिपलानी इलाके में स्थित आनंद नगर की जेपी कॉलोनी में रहने वाली महिला ने गमछे का फंदा बनाकर जान दे दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रविवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पति सौरभ मौर्या के मुताबिक, शिवानी (22) और उनकी शादी 3 साल पहले हुई थी। वो दोनों ही उत्तर प्रदेश के जौनपुर के रहने वाले हैं। वो 6 साल से परिवार के साथ भोपाल रह रहे हैं। सौरभ लोन कंसल्टेंसी का काम करता है। शिवानी 5 दिसंबर को ही जौनपुर से लौटी थी। वहां वो अपने चचेरे भाई की सगाई में गई थी। उसके परिवार में माता-पिता, 2 दो बहनें और एक भांजी रहती है। घटना के समय पिता, दोनों बहने काम पर गए थे। भांजी स्कूल गई थी और वो ज्योती टॉकीज स्थित अपने ऑफिस गया था। उनके बीच किसी भी तरह का कोई विवाद नहीं चल रहा था। आत्महत्या करने की कोई भी वजह नहीं थी। वो खुद हैरान हैं कि उनकी पत्नी ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया है।

रात में ही की थी मां से बात

शिवानी के पिता राजकुमार ने बताया कि दो दिन पहले ही वो घर से वापस भोपाल लौटी थी। शुक्रवार रात भी उससे उनकी और शिवानी की मां की बात हुई थी। जिसमें शिवानी ने किसी भी तरह की परेशानी का जिक्र नहीं किया। वो अपने भाई की शादी के लिए कपड़े लेने की बात कर रही थी। आत्महत्या किस वजह से की, इसका पता नहीं चल रहा है।

इस बार अलग होगा 10वीं और 12वीं परीक्षा का पैटर्न

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा 25 फरवरी से शुरू होंगी। विद्यार्थियों को तैयारी करने के लिए करीब ढाई माह का समय शेष है। मंडल ने विद्यार्थियों को बदले पैटर्न पर परीक्षा की तैयारी कराने के लिए सैंपल पेपर वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। इसमें प्रत्येक विषय के प्रश्नों का पैटर्न और अंकयोजना को अपलोड किया है। 10वीं का प्रश्नपत्र 75 अंक का और आंतरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। वहीं 12वीं का प्रैक्टिकल वाले विषयों का पेपर 70 अंक का और 20 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा। नान प्रैक्टिकल वाले विषयों का पेपर 80 अंक का होगा। इस बार दो अंक के छोटे-छोटे प्रश्न ज्यादा हल करने होंगे। वस्तुनिष्ट प्रश्न 30 अंक के होंगे और इस बार दीर्घउत्तरीय प्रश्नों की संख्या कम होंगी। स्कूलों में सैंपल पेपर से तैयारी कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही छमाही परीक्षा के बाद भी कक्षा लगाकर तैयारी कराई जाएगी। दरअसल एमपी बोर्ड जुलाई में सभी विषयों के चैप्टरों का समूह बनाकर अंक योजना जारी कर चुका है। माशिमं की 10वीं व 12वीं परीक्षा में पिछले साल तक विषयवार चैप्टरों के अनुसार अंक योजना निर्धारित की थी। इसमें बताया गया था कि किस विषय का कौन सा चैप्टर से कितने अंक के प्रश्न प्रश्नपत्र में आएंगे, लेकिन इस बार इसमें बदलाव किया गया है। वर्ष 2024-25 की परीक्षा में विषय में चैप्टरों का समूह बनाया गया है।

सम्पादकीय

ग्लेशियर पिघलने से झीलों का खतरनाक विस्तार

यदि झीलों के फटने से नदियों में बाढ़ की स्थिति बनती है तो निचले इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों के जीवन के लिये खतरा पैदा हो सकता। बताया जाता है कि देश में करीब 67 ऐसी झीलों को चिन्हित किया गया है, जिनके क्षेत्रफल में चालीस फीसदी तक की वृद्धि हुई है। जिससे उत्तराखंड, लद्दाख व हिमाचल के कुछ इलाके प्रभावित हो सकते हैं। जो जरूरत बताता है कि समय रहते पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित की जाए। साथ ही आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी कदम भी उठाये जाएं। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय हरित पंचाट की सिफारिशों पर गंभीरता से विचार करेगी। जिससे हिमनदों के संरक्षण व नदियों के जल प्रवाह के नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। साथ ही हमें देश में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने तथा प्रकृति के अनुरूप विकास योजनाएं बनाने की जरूरत है।

हम केदारनाथ संकट के उन भयावह परिणामों को नहीं भूल सकते, जब हिमनद पिघलने से बनी झील के टूटने से तबाही का मंजर पैदा हुआ था। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के संकट के चलते ग्लेशियर पिघलने से हिमालयी क्षेत्रों में कई कृत्रिम झीलें बन रही हैं। इस बाबत केंद्रीय जल आयोग की हालिया रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। जिसका संज्ञान लेते राष्ट्रीय हरित पंचाट ने केंद्र सरकार को सचेत करते हुए इस बाबत आवश्यक कदम उठाने को कहा है। जिससे भविष्य में किसी आपदा की आशंका को टाला जा सके। यदि समय रहते सरकार आवश्यक कदम उठाती है तो हिमनदों को संरक्षण की कोशिशें तेज की जा सकती हैं। साथ ही जरूरी है कि झीलों के टूटने की स्थिति में नदियों में अधिक जल प्रवाह के प्रबंधन की रणनीति पर भी विचार किया जाए। यह एक टकसाली सत्य है जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। मानसून के दौरान बारिश के पैटर्न में आए बदलाव ने बड़े पैमाने पर भूस्खलन को अंजाम दिया है। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग के चलते तेज बारिश कम समय में ही बरस जाती है। साथ ही बादल फटने की घटनाओं में खासी तेजी आई है। कमोबेश यही स्थिति ग्लेशियरों के पिघलने में आई तेजी में नजर आती है। दरअसल, जलवायु संकट के घातक प्रभाव सारी दुनिया में नजर आ रहे हैं। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं सूखे की स्थिति है। हिमनदों के पिघलने से न केवल समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है, बल्कि उसके तापमान में भी बदलाव देखा जा रहा है। वहीं चक्रवाती तूफान अमेरिका से लेकर एशियाई देशों में कहर बरपा रहे हैं। कुल मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से मानवता के अस्तित्व पर संकट की आहट महसूस हो रही है। लेकिन हिमालयी क्षेत्रों में हिमनदों के पिघलने से कृत्रिम झीलों का आकार बढ़ना एक खतरे की घंटी जैसा है। जिससे न केवल गंगा बल्कि ब्रह्मपुत्र जैसी बड़ी नदियों के जल प्रवाह में अप्रत्याशित बदलाव की आशंका बलवती हो रही है। जिससे न केवल जल के स्तर में अप्रत्याशित बदलाव होंगे, बल्कि जैव विविधता के लिये भी खतरा पैदा हो जाएगा। यदि झीलों के फटने से नदियों में बाढ़ की स्थिति बनती है तो निचले इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों के जीवन के लिये खतरा पैदा हो सकता। बताया जाता है कि देश में करीब 67 ऐसी झीलों को चिन्हित किया गया है, जिनके क्षेत्रफल में चालीस फीसदी तक की वृद्धि हुई है। जिससे उत्तराखंड, लद्दाख व हिमाचल के कुछ इलाके प्रभावित हो सकते हैं। जो जरूरत बताता है कि समय रहते पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित की जाए। साथ ही आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी कदम भी उठाये जाएं। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय हरित पंचाट की सिफारिशों पर गंभीरता से विचार करेगी।

बस्तरः नक्सलवाद के दंश और अराजकता का दलदल

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद दशकों से एक ऐसा जटिल मुद्दा बना हुआ है, जो न केवल सुरक्षा बलों और प्रशासन के लिए चुनौती है, बल्कि वहां के आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए भी संकट बन गया है। हाल ही में नारायणपुर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़, जिसमें एक जवान शहीद हुआ, इस संघर्ष की क्रूर वास्तविकता को फिर उजागर करती है। इस मुठभेड़ में नक्सलियों के डंप से रसोई गैस सिलेंडर, वेल्डिंग उपकरण, हथियार बनाने की मशीन और अन्य सामग्रियों का मिलना यह दिखाता है कि नक्सली अपनी रणनीतियों को लगातार आधुनिक और व्यवस्थित बना रहे हैं। बस्तर क्षेत्र, जो छत्तीसगढ़ के सबसे घने जंगलों और दुर्गम इलाकों में से एक है, नक्सल गतिविधियों का मुख्य केंद्र है। 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से शुरू हुआ यह आंदोलन 1980 के दशक तक बस्तर के घने जंगलों में पहुंच गया। आदिवासी समुदायों के शोषण, जमीन छीनने और वन संसाधनों पर कब्जे के विरोध में शुरू हुआ यह आंदोलन धीरे-धीरे हिंसक रूप लेता गया।

बस्तर में नक्सलियों की मौजूदगी सिर्फ हिंसा तक सीमित नहीं है। उन्होंने स्थानीय समुदायों पर अपनी गहरी पकड़ बना ली है। नक्सली, सरकार और कॉरपोरेट हस्तक्षेप के खिलाफ आदिवासियों के गुस्से को हथियार बनाकर उन्हें अपने संगठन में शामिल करते हैं। बस्तर में नक्सलवाद से निपटना सुरक्षाबलों के लिए हमेशा जोखिम भरा रहा है। कश्मीर में आतंकवाद की तुलना में बस्तर में नक्सलवाद ने सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षाबलों के अधिक जवानों की जान ली है। 2010 में दंतेवाड़ा के ताड़मेटला में नक्सलियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में 76 जवानों की मौत हुई थी। यह भारत में अब तक का सबसे बड़ा नक्सली हमला था। इसके बाद 2013 में सुकमा जिले के झीरम घाटी में कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हमला हुआ, जिसमें 27 लोग मारे गए। इनमें वरिष्ठ नेता विद्याचरण शुक्ल और महेंद्र कर्मा भी शामिल थे। ये घटनाएं न केवल नक्सलियों की क्रूरता को दिखाती हैं, बल्कि यह भी स्पष्ट करती हैं कि क्षेत्र में सुरक्षा बलों की रणनीतियां अक्सर असफल हो जाती हैं। 2005 में शुरू हुआ सलवा जुडूम अभियान सरकार द्वारा आदिवासियों को नक्सलियों के खिलाफ संगठित करने का एक प्रयास था। इस अभियान का नेतृत्व महेंद्र कर्मा ने किया। हालांकि, यह अभियान शुरू से ही विवादों में घिरा रहा। जहां एक ओर इसे नक्सलवाद के खिलाफ एक साहसी कदम माना गया, वहीं दूसरी ओर इसने हजारों आदिवासियों को बेघर कर दिया। सलवा जुडूम के दौरान गांवों को खाली करवाना, जबरन आदिवासियों को राहत शिविरों में भेजना और निर्दोष लोगों को नक्सल समर्थक बताकर उनके खिलाफ कार्रवाई करना आम हो गया। यह अभियान न केवल असफल रहा, बल्कि इससे क्षेत्र में आदिवासियों का सरकार और सुरक्षाबलों के प्रति भरोसा और कमजोर हो गया। बस्तर का आदिवासी समुदाय, जो प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर है, नक्सलवाद और सरकारी हिंसा के बीच बुरी तरह पिस रहा है। नक्सली जहां उन्हें अपने संगठन में शामिल होने के लिए मजबूर करते हैं, वहीं सुरक्षाबल अक्सर उन्हें नक्सली समर्थक मानकर प्रताड़ित करते हैं।

सरकार के पुनर्वास कार्यक्रमों की धीमी गति और प्रशासनिक लापरवाही के कारण हजारों आदिवासी आज भी अपने गांवों में लौटने का इंतजार कर रहे हैं। उनकी जमीनों पर कब्जा हो चुका है, और वे राहत शिविरों में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।

बस्तर में नक्सलवाद की जड़ें इतनी मजबूत इसलिए हैं क्योंकि कई विभागों में व्यापक भ्रष्टाचार है। इन विभागों के

स्थानीय अधिकारी अक्सर आदिवासियों का शोषण करते हैं। नक्सलियों और भ्रष्ट अधिकारियों के बीच अनौपचारिक समझौतों ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है।

इस पूरी व्यवस्था में कुछ व्यापारियों और कॉरपोरेट संस्थानों ने भी फायदा उठाया है। जंगलों के खनिज और अन्य संसाधनों का शोषण करते हुए ये लोग करोड़पति बन गए हैं। दूसरी ओर, आदिवासी अपने अधिकारों और संसाधनों से वंचित हैं। बस्तर में नक्सलवाद को शहरी क्षेत्रों से समर्थन मिलता रहा है। इन्हें अक्सर अर्बन नक्सल कहा जाता है। ये लोग बस्तर के जंगलों में नक्सलियों के लिए विचारधारा, रणनीति और वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। इनका मुख्य उद्देश्य सरकारी नीतियों और विकास योजनाओं को बाधित करना है।

सुरक्षा बलों की असफलता का एक बड़ा कारण उनके द्वारा सुरक्षा निर्देशों का पालन न करना है। हाल की घटनाओं में यह देखा गया है कि सुरक्षाबल अक्सर बिना पूरी तैयारी के गश्त या ऑपरेशन पर निकलते हैं। आधुनिक उपकरणों और बेहतर रणनीतियों की कमी भी इन असफलताओं को बढ़ाती है।

बस्तर में नक्सलवाद से निपटने के लिए केवल सैन्य कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। इसके लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है-

1.आदिवासियों का विश्वास जीतना- आदिवासी समुदायों के विकास, शिक्षा और रोजगार पर ध्यान देना होगा।

2.भ्रष्टाचार पर रोक-प्रशासन और विभागों में भ्रष्टाचार को समाप्त करना होगा।

3.पुनर्वास कार्यक्रम-सलवा जुडूम के कारण विस्थापित आदिवासियों को उनके गांवों में बसाने के लिए प्रभावी कदम उठाने होंगे।

4.सुरक्षा बलों की क्षमता बढ़ाना- आधुनिक उपकरण और रणनीतियों का उपयोग सुनिश्चित करना होगा।

राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान में खुली छूट देने से सुरक्षा बल लगातार नक्सलियों की मांद में घुस कर आक्रमण कर रहे हैं । इससे सुरक्षा बलों के हौसले मज़बूत हैं। साथ ही घोर नक्सली गाँवों के विकास और ग्रामीणों का दिल जीतने में मुख्यमंत्री की नियद नेल्लानार योजना नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही है। इस योजना के तहत सुरक्षा कैंपों की स्थापना के साथ सरकार 5 किमी परिधि में बुनियादी सुविधाएँ जैसे आवास, बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, सस्ता राशन, और उवला योजना के तहत गैस सिलेंडर उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से बंद स्कूल फिर से खोले गए हैं और स्वच्छ जल के लिए सोलर पंप लगाए गए हैं। यह योजना न केवल ग्रामीणों का जीवन सुधार रही है, बल्कि नक्सल आतंक के खिलाफ उनका भरोसा और सहयोग भी बढ़ा रही है। बस्तर में नक्सलवाद का समाधान आसान नहीं है, लेकिन यह असंभव भी नहीं है। सरकार को एक ओर जहां आदिवासियों के अधिकारों और विकास पर ध्यान देना होगा, वहीं दूसरी ओर नक्सलियों के समर्थन आधार को खत्म करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। नारायणपुर जैसी घटनाएं हमें यह याद दिलाती हैं कि यह लड़ाई न केवल बंदूकों की है, बल्कि दिलों और दिमागों को जीतने की भी है।

(राजीव खरे चीफ़ ब्यूरो छत्तीसगढ़)

भाजपा के लिए चाणक्य बन चमक रहे हैं देवेंद्र

फडणवीस का राजनीतिक जीवन अनेक विशेषताओं एवं उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से उसकी शुरूआत की। उनके पिता स्व. गंगाधरराव फडणवीस विधान परिषद सदस्य थे। लेकिन इस राजनीतिक विरासत का सहारा लेने के स्थान पर फडणवीस ने अपनी खुद की पहचान बनाई। सामान्य कार्यकर्ता की तरह खुद को तराशा। वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया।

फडणवीस का राजनीतिक जीवन अनेक विशेषताओं एवं उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से उसकी शुरूआत की। उनके पिता स्व. गंगाधरराव फडणवीस विधान परिषद सदस्य थे।

महाराष्ट्र में सरकार गठन की राजनीति में दस दिन की सघन वाताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पार्टी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यु भी कहने लगे। बात सही भी है फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं। सामने कोई भी हो शह और मात के खेल में उनकी जीत अब गारंटी बन चुकी है। वे भाजपा के लिए चाणक्य हैं तो विपक्ष के लिए अबूझ पहेली। पिछले एक दशक से महाराष्ट्र की राजनीति उनके ही इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे कद्दावर राजनेता के नेतृत्व में निश्चित ही अगली पारी सफल होने वाली है। बावजूद इसके विशाल बहुमत वाली इस सरकार के मुखिया के तौर पर फडणवीस की यह पारी किसी भी रूप में कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। फिर भी महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे, लोगों ने उनकी पार्टी और सहयोगी दलों पर जो भरोसा जताया है, महायुति सरकार उनकी उम्मीदें पूरी करके एक नये इतिहास का सृजन करेंगी, इसमें कोई शंका दूर तक नजर नहीं आती। तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेंद्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये महाराष्ट्र के निमार्ता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग हैं, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, प्रशासक और राजनेता हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। महाराष्ट्र राजनीति की एक खास स्थिति जहां सहयोगी दलों की आकांक्षाओं का ध्यान रखने और उन्हें यथासंभव संतुष्ट रखने की जरूरत से जुड़ी चुनौती है वहीं आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति से जुड़े दलों पर बेहतर प्रदर्शन की बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि पहली चुनौती मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे को संतोषजनक ढंग से निपटाने की है। एक बड़ी चुनौती महाराष्ट्र में भाजपा की ताकत को बलशाली बनाने की भी है। इन सब चुनौतियों एवं परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाने एवं उनसे पार पाने की क्षमता फडणवीस में दिखती है। जो व्यक्ति 2022 में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री की बजाय उपमुख्यमंत्री की भूमिका मंजूर कर लेता है, पद से ज्यादा पार्टी हित को सामने रखता है, विशिष्ट परिस्थितियों में पार्टी के आग्रह पर न केवल सरकार का सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है बल्कि चुनाव में पार्टी की अगुआई करते हुए उसे शानदार जीत भी दिलाता है, तो उन्हें मुख्यमंत्री की भूमिका सौंपी जा रही है तो अपनी पात्रता तो वह पहले ही अच्छी तरह सिद्ध कर चुके हैं, अब तो शासन के नये मानक गढ़ने है।

यह स्पष्ट है कि देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन के नए दौर की शुरूआत संभावनाभरी है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होलकर का नाम लेकर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी उनकी छवि आत्मविश्वास से भरे हिंदुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनको समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर प्रहार से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। चुनाव के समय लगा था कि एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में मतभेद के बावजूद उन्होंने गजब का संतुलन बनाते हुए इन नारों के बल पर महायुति की जीत को उच्च शिखर देकर सबको आश्चर्यचकित किया। महायुति सरकार की नई पारी पिछली पारी जैसी सहजता और स्थिरता दिखा पाएगी या नहीं यह सवाल तो खड़ा ही है, लेकिन इस सवाल को नकारते हुए नयी सरकार अपना पूरा कार्यकाल उतार-चढ़ाव के बावजूद निष्कंटक पार करेगी। दो पुरानी और सुगठित राजनीतिक पार्टियों में हुई असाधारण तोड़फोड़ के परिणास्वरूप बनी महायुति ने हालांकि 2024 विधानसभा चुनावों में अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है और इसलिए अब इसे किसी भी रूप में कृत्रिम गठबंधन नहीं कहा जा सकता। फिर भी नए मुख्यमंत्री और भाजपा नेतृत्व को सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने और किसी भी असंतोष से बचने पर खास ध्यान देना होगा। फडणवीस का राजनीतिक जीवन अनेक विशेषताओं एवं उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से उसकी शुरूआत की। उनके पिता स्व. गंगाधरराव फडणवीस विधान परिषद सदस्य थे। लेकिन इस राजनीतिक विरासत का सहारा लेने के स्थान पर फडणवीस ने अपनी खुद की पहचान बनाई। सामान्य कार्यकर्ता की तरह खुद को तराशा। वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया।

2014 में पहली बार महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने के बाद फडणवीस अपनी कल्पनाशीलता, दूरदर्शिता, दृढ़संकल्प, राजनीतिक कौशल एवं अभिनव परियोजनाओं के माध्यम से उन्होंने अपनी असीम क्षमताओं को आकार दिया। उनकी नेतृत्व क्षमता और लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2014, 2019 और 2024 के विधानसभा के चुनाव भाजपा ने फडणवीस के नेतृत्व में लड़े और शानदार प्रदर्शन किया, तीनों बार भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। 2019 में उनके नेतृत्व में भाजपा की चुनावी जीत के बावजूद अविभाजित शिवसेना के मुखिया उद्धव ठाकरे की जिद के कारण वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाए, हालांकि राकांपा नेता अजित पवार के साथ मिलकर उस वक्त उन्होंने तीन दिन की सरकार जरूर बनाई। यह प्रयोग विफल होने के बाद उनके विरोधियों ने उनकी रणनीतिक क्षमता पर सवाल भी उठाए थे लेकिन देवेंद्र फडणवीस को अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा था और उन्होंने कहा भी था कि वे पूरे जोश से आयेंगे, तमाम तूफानों के बीच से विजेता की तरह फिर उभरेंगे। ऐसा उन्होंने करके दिखाया। भाजपा को प्रचंड बहुमत दिलाने के बावजूद फडणवीस को मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए खासी जद्दोजहद करनी पड़ी है। भाजपा के प्रदर्शन में फडणवीस ने अपने योगदान का पुरजोर दावा किया है। वे चुनाव-प्रचार अभियान के दौरान पार्टी का मुख्य चेहरा थे और उन्होंने राज्य के सभी छह क्षेत्रों में 64 रैलियां कीं। उनको मिली शानदार सफलता में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उन्हें मिला अटूट समर्थन था। संघ इस बात पर अड़ा हुआ था कि भाजपा को कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा रखने के लिए इस बार मुख्यमंत्री पद के लिए राजस्थान, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश की तरह लो-प्रोफाइल नेता नहीं चाहिए और फडणवीस ही इस पद के लिए उसकी पहली पसंद हैं। शाह, योगी और फडणवीस- इन तीनों के सामने अभी बहुत वर्षों की राजनीति शेष है।

भारतीय क्रिकेटः स्टारडम, आईपीएल और ग़लत शॉट्स की कीमत

एडिलेड टेस्ट मैच में भारत को ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ तीन दिन में 10 विकेट से करारी शिकस्त दी, जिससे 5 मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर हो गई। भारतीय बल्लेबाज पहली पारी में 180 रन ही बना सके, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 337 रन बनाकर 157 रनों की बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में भारतीय टीम सिर्फ 128 रन पर ढेर हो गई, और ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए 22 रन का लक्ष्य पूरा कर लिया। इस हार ने भारतीय बल्लेबाजी और रणनीति पर कई सवाल खड़े किए हैं। रोहित शर्मा और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज गलत शॉट सिलेक्शन के चलते जल्दी आउट हुए। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और मार्नस लाबुशेन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए भारत को पूरी तरह बैकफुट पर ला दिया ।भारतीय क्रिकेट का इतिहास सफलता, संघर्ष और नई ऊंचाइयों से भरा हुआ है। लेकिन हाल के दिनों में, भारतीय टीम की निराशाजनक हार ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्रिकेट के मैदान पर प्रदर्शन से अधिक खिलाड़ियों के स्टारडम और आईपीएल की चकाचौंध का प्रभाव अब साफ नज़र आने लगा है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई बड़े खिलाड़ी आज अपने स्टारडम के शिखर पर हैं। लेकिन क्या यह स्टारडम खिलाड़ियों को मेहनत से दूर कर रहा है? अभ्यास और कड़ी मेहनत क्रिकेट में सफलता की नींव है। लेकिन जब स्टार खिलाड़ी अभ्यास सत्रों से दूर रहते हैं, तो उनके खेल में गिरावट स्वाभाविक है। रोहित शर्मा, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर हैं, कई बार अपने ग़लत शॉट सिलेक्शन के कारण आउट होते दिखाई दिए। उनकी कप्तानी पर भी सवाल उठने लगे हैं। क्या यह अनुभवहीनता है, या फिर उनकी प्राथमिकताओं में क्रिकेट पीछे छूट रहा है? आईपीएल ने भारतीय क्रिकेट को नई पहचान दी है। युवा खिलाड़ियों को मौके दिए और खेल को ग्लोबल बना दिया। लेकिन क्या आईपीएल अब भारतीय क्रिकेट के लिए बोझ बन गया है? खिलाड़ी आईपीएल में खेलते हुए चोटिल होते हैं, और राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध नहीं हो पाते। पैसे और ग्लैमर की चकाचौंध खिलाड़ियों को उनके मूल उद्देश्य से भटका रही है। आईपीएल के दौरान प्रदर्शन करने के दबाव में खिलाड़ी अपने बुनियादी क्रिकेट कौशल से समझौता कर रहे हैं। भारतीय बल्लेबाजों की हालिया हार का सबसे बड़ा कारण ग़लत शॉट सिलेक्शन है। टेस्ट और वनडे जैसे फॉर्मेट में टी20 मानसिकता से खेलना विनाशकारी साबित हो रहा है। बल्लेबाजों का धैर्य और तकनीकी कौशल कमजोर हो रहा है। नतीजा यह है कि टीम महत्वपूर्ण मौकों पर लड़खड़ा जाती है। भारत के क्रिकेट प्रशंसक और विशेषज्ञ अब इस बात पर जोर दे रहे हैं कि टीम को अपने प्राथमिक फोकस पर लौटना होगा। स्टारडम और आईपीएल की चकाचौंध को पीछे छोड़ते हुए, खिलाड़ियों को अपने बुनियादी खेल और मानसिकता पर काम करना होगा। कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा को टीम के हर खिलाड़ी को व्यक्तिगत रूप से गाइड करना होगा और एक ऐसी रणनीति बनानी होगी, जो खिलाड़ियों की क्षमताओं के साथ-साथ टीम के लिए भी फायदेमंद हो। भारतीय क्रिकेट की नींव को मजबूत करना और खिलाड़ियों को फिर से टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना सिखाना समय की मांग है। तभी भारतीय क्रिकेट अपनी पुरानी गरिमा को वापस पा सकेगा।

(राजीव खरे चीफ ब्यूरो छत्तीसगढ़)

मुख्यमंत्री ने की जन-कल्याण अभियान और पर्व की तैयारियों की समीक्षा

दमोह एन.आई.सी. में प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पटेल एवं दमोह विधायक मलैया सहित अन्य जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युवा, नारी, किसान और गरीब के कल्याण एवं विकास के लिये प्रदेश में 11 दिसम्बर से 26 जनवरी, 2025 तक मुख्यमंत्री जन-कल्याण अभियान चलाया जायेगा। इसमें केन्द्र और राज्य सरकार की शत-प्रतिशत सैचुरेशन की चिन्हित हितग्राही मूलक योजनाओं और लक्ष्य प्रदान की गयी योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर तक प्रदेश में जन-कल्याण पर्व भी मनाया जायेगा, इसके अंतर्गत विभिन्न विभागों की गतिविधियों और विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी होगा। साथ ही राज्य शासन की एक वर्ष की उपलब्धियों को प्रदर्शित भी किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मुख्यमंत्री जन-कल्याण अभियान और जन-कल्याण पर्व में होने वाली गतिविधियों की कार्य-योजना पर चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री जन-कल्याण अभियानमुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन-कल्याण अभियान का मुख्य उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के युवा, नारी, किसान तथा गरीब वर्ग के कल्याण एवं विकास के लिए दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करना है एवं उनके हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं को धरातल पर क्रियान्वित करना है। इसमें 34 हितग्राही मूलक, 11 लक्ष्य आधारित और 63 अन्य सेवाओं को आम नागरिकों तक सहज रूप से पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान अंतर्गत संचालित गतिविधियों की सीएम हेल्पलाइन डेशबोर्ड पर मॉनीटरिंग की जायेगी, जिसे मुख्यमंत्री, कलेक्टर एवं विभाग के अधिकारी भी देख सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व संबंधी मामलों के निराकरण के लिये संचालित राजस्व महाअभियान-3 की अवधि 26 जनवरी, 2025 तक के लिये बढ़ाई जाये।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लगेंगे शिविर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभियान अवधि में शहरी और ग्रामीण अंचलों में शिविर लगाकर आमजन की समस्याओं का निराकरण और पात्र हितग्राहियों को चिन्हांकित कर योजनाओं का

लाभ दिया जायेगा। आयुष्मान योजना में 70 वर्ष और इससे अधिक आयु वर्ग के नागरिकों के कार्ड बनाये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोजित शिविरों का माहौल और उनमें दी जाने वाली सुविधाओं को इस प्रकार से प्रचारित करें कि नागरिक स्वयं अपनी इच्छा से शिविर में आयें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन-कल्याण अभियान के लिये समय-सीमा में अधिकारी-कर्मचारियों के सम्पर्क दल के गठन और योजनाओं के लाभ से वंचित नागरिकों को चिन्हांकित करने के निर्देश दिये। अभियान अंतर्गत लगने वाले शिविरों का निर्धारण जिले के प्रभारी मंत्री के मार्गदर्शन में जिला कलेक्टर द्वारा किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के समस्त वार्डों में लगने वाले शिविरों के स्थान और तिथि का रोस्टर बनाकर प्रचारित-प्रसारित भी किया जाये। शिविरों की मॉनीटरिंग के लिये नगरीय क्षेत्रों में जोन स्तर पर और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक पंचायत क्लस्टर पर एक सेक्टर अधिकारी की नियुक्ति की जाये।

जन-कल्याण पर्व मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में 11 से 26 दिसम्बर 2024 तक मनाये जाने वाले मुख्यमंत्री जन-कल्याण पर्व में विभिन्न विकास गतिविधियाँ होंगी। पर्व का शुभारंभ 11 दिसम्बर को भोपाल में लाड़ली बहना योजना की राशि वितरण से किया जायेगा। साथ गीता जयंती पर वृहद गीता का पाठ होगा। पर्व अवधि में अलीराजपुर की सांडवा माईक्रो सिंचाई योजना का भूमि-पूजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा राज्य सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियों पर केन्द्रित प्रदर्शनी, भोपाल, सीहोर एवं रायसेन से युवाओं की रातापानी अभयारण्य के निकट बाइक रैली, अक्षयपात्र कार्यक्रम अंतर्गत बच्चों को पोषण आहार किट का वितरण, ग्वालियर में तानसेन समारोह अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम, कन्वेंशन सेंटर का लोकार्पण और महाराजा जीवाजी राव सिंधिया की मूर्ति का अनावरण होगा। जबलपुर में सरदार बल्लभ भाई पटेल की मूर्ति का अनावरण, उमरिया गाँव में गौशाला का भूमि-पूजन, वृहद युवा संवाद (स्व-रोजगार, रोजगार केन्द्रित कार्यक्रम), पुलिस बैण्ड द्वारा प्रस्तुतिकरण, वन मेले का शुभारंभ, पार्वती-कालीसिंध नदी जोड़ो परियोजना का शुभारंभ, साधु-संतों के साथ संवाद, पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों का सम्मेलन, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर यूनिवर्सिटी इंदौर में दीक्षांत समारोह, खण्डवा-ओंकारेश्वर में सोलर पार्क का लोकार्पण, उज्जैन में आईटी पार्क का भूमि-पूजन, भोपाल में खेल प्रोत्साहन कार्यक्रम, विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ का वितरण, सागर में तालाब सौंदर्यीकरण का लोकार्पण, चिंतन शिविर का आयोजन, नर्मदापुरम (पचमढ़ी) में राजा भभूत सिंह स्मृति में केबिनेट बैठक और भोपाल (रविन्द्र भवन) में छात्र-छात्राओं से संवाद कार्यक्रम होगा।

बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने बताया कि 11 दिसम्बर से 26 जनवरी 2025 तक 47 दिन चलने वाले मुख्यमंत्री जन-कल्याण अभियान में प्रत्येक जिले में अंतरविभागीय अधिकारी और कर्मचारियों के दल गठित किये जायेंगे। यह दल हितग्राहियों को चिन्हित कर उनके आवेदन प्राप्त कर शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर की मॉनीटरिंग के लिये प्रत्येक पंचायत स्तर पर एक सेक्टर अधिकारी नियुक्त किया जायेगा। शिविर के बाद 26 जनवरी 2025 तक शेष लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा। हितग्राहियों को हित लाभ का वितरण शिविर के दौरान एवं गणतंत्र दिवस पर ग्राम सभाओं में किया जायेगा।

राज्य सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियाँ की जायेंगी साझा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 13 दिसम्बर को मध्यप्रदेश सरकार का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भोपाल संभाग में 630 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया जायेगा। भोपाल, सीहोर एवं रायसेन से युवाओं की रातापानी अभयारण से लेकर नगर के गोलजोड़ तक बाइक रैली आयोजित की जायेगी। राज्य सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के पिछले एक वर्ष में जन-हितकारी कार्यों एवं उपलब्धियों पर प्रदर्शनी प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर लगाई जायेगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ 2025 में आयोजित होने जा रहे इंडस्ट्रीज कान्क्लेव के लोगो का अनावरण एवं थीम लांच की जायेगी। मध्यप्रदेश पुलिस के बैंड द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी जायेगी। सोलह दिन तक चलने वाले जन-कल्याण पर्व में ग्वालियर, जबलपुर, शहडोल, सागर, पचमढ़ी में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। नदी जोड़ो अभियान, वन मेले, पुलिस बैंड की प्रस्तुति, ग्वालियर में तानसेन समारोह तथा कन्वेशन सेंटर का लोकार्पण एवं अक्षय पात्र जैसी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। साथ ही राज्य सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियों को प्रदेशवासियों के साथ साझा किया जायेगा। अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री डॉ. राजेश राजौरा ने अभियान एवं पर्व पर किये जाने वाले कार्यों का प्रेजेंटेशन दिया। बैठक में वर्चुअल शामिल हुए उप मुख्यमंत्री डॉ. राजेंद्र शुक्ल, जगदीश देवड़ा, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं अन्य जन-प्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव रखे। इस अवसर पर सांसद वी.डी. शर्मा, मुख्य सचिव अनुराग जैन, डीजीपी कैलाश मकवाना सहित संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव उपस्थित थे। दमोह एन.आई.सी. में प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पटेल एवं दमोह विधायक मलैया सहित अन्य जनप्रतिनिधि रहे मौजूद इस आयोजित व्ही.सी.में दमोह कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी केंद्र में प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल, पूर्व वित्त मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता पटेल, जनपद अध्यक्ष प्रीति ठाकुर, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, मुख्य कार्यक्रम अधिकारी जिला पंचायत अर्पित वर्मा सहित अन्य अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण मौजूद रहे।

क्लीन टॉयलेट कैंपेन के तहत नगर निगम की आईईसी टीम के द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान

शौचालय में रंगोली बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, नगर पालिका निगम की आईईसी टीम द्वारा महादेवा वार्ड क्रमांक 31 एवं डेलौरा वार्ड क्रमांक 37 में स्वच्छ सुलभ अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सुलभ शौचालय में रंगोली बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया और लगातार दो दिनों तक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत स्थानीय निवासियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें कचरे के प्रकार जैसे सूखा, गीला, सैनिटरी और घरेलू अपशिष्ट को अलग-अलग करने की प्रक्रिया समझाई गई। इसके साथ ही, जैविक खाद बनाने की विधि का प्रदर्शन किया गया, जिसे लोगों ने बड़ी रुचि के साथ देखा। कार्यक्रम के दौरान सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया। निवासियों को गंदगी न फैलाने और कचरा मुक्त शहर बनाने की शपथ दिलाई गई। यह अभियान स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें स्वच्छता को हमारे जीवन में प्राथमिकता देने और इसके महत्व को समझाने पर जोर दिया गया। इस पूरे अभियान में स्थानीय निवासियों ने सक्रिय भूमिका निभाई और इसे सफल बनाने में सहयोग किया।

यातायात विभाग की पहल पर जागरूकता अभियान के तहत वाहन चलको को किया गया जागरूक

राहगीर व वाहन चालको को यमराज कलाकार के द्वारा यातायात नियम को पालन करने के लिए सचेत किया गया

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, यातायात विभाग की एक और नई पहल जागरूकता अभियान के तहत मिशन चौक पर राहगीर व वाहन चालको को यमराज कलाकार के द्वारा नुकड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया।

हमारा लक्ष्य = सुगम, सुरक्षित, सुगम यातायात पर रविवार शाम को नुकड़ नाटक के माध्यम से पप्पू बजाज अभिनय कर्ता यमराज के रूप मे मिशन चौक से होते हुए शहर के मुख्य चौराहे का भर्मण कर राहगिर

व वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी और बताया कि यदि आप यातायात के नियमों का पालन नहीं करते हैं तो आपकी मृत्यु हो सकती है इसलिए आप सभी वाहन चालक यातायात के नियमों का पालन करें वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग करें और फोर व्हीलर चलाते समय सीट बेल्ट का इस्तेमाल करें इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन, ष्ह्यश्च ख्याति मिश्रा कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा सहित अन्य पुलिस बल मौजूद रहा पुलिस विभाग यातायात विभाग के वाहन चालकों को पंपलेट दे कर यातायात के नियमों की जानकारी दी सभी वाहन चालकों से अपील की कि वे यातायात के नियमों का पालन करें और शुभम सुरक्षित यात्रा करें.

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने कलेक्टर एवं एसपी को सौंपा ज्ञापन

झूठे आरोपों की जांच करायें जानेकी मांग करी

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सिवनी, पेंच व्यपवर्तन नहर निर्माण एवं मरम्मत कार्य के निरीक्षण के दौरान लगाये गये मारपीट के झूठे आरोपों की उच्च स्तरीय जाँच कराये जाने के संबंध में सिवनी विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी द्वारा जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया।विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी ने दिये गये ज्ञापन मे कहा कि सिवनी विधानसभा क्षेत्र में पेंच व्यपवर्तन नहर निर्माण एवं मरम्मत कार्य समय पर पूर्ण कराये जाने और किसान बंधुओं को सिचाई के लिए पानी उपलब्ध कराये जाने हेतु 05 नवम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सिवनी में जिला जल उपयोगित्ता समिति की आयोजित बैठक में संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया था कि 15 नवम्बर को सभी नहर शाखाओं मे पानी छोड़कर 25 नवम्बर तक सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित किया जावे। श्री राय ने आगे कहा कि किन्तु विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण नहरों का निर्माण, मरम्मत कार्य समय पर पूर्ण नहीं किया गया, एवं पानी उपलब्ध नहीं कराया गया। जिससे आक्रोशित किसानों द्वारा पानी की समस्याओं को लेकर 26 नवम्बर को जल संसाधन विभाग सिवनी के समक्ष क्षेत्रीय किसान बंधुओं द्वारा किसान चौपाल आयोजित की गई थी, जिसमें प्रभारी मुख्य अभियंता श्री अशोक डहेरिया, अधीक्षण यंत्री कुमकुम पटेल, कार्यपालन यंत्री श्री प्रभाकर तेकाम एवं अनुविभागीय अधिकारी /कर्मचारियों द्वारा पत्रकार बंधुओं की उपस्थिति में किसान बंधुओं को आश्वस्त किया गया था कि 03 दिसम्बर को बखारी टेल व सिवनी ब्रांच केनाल में पानी उपलब्ध करा दिया जावेगा। अधिकारियों के द्वारा दिये गये आश्वासन पर क्षेत्रीय किसान बंधुओं द्वारा अपने खेतों में बोवनी कर ली गई थी, किन्तु 03 दिसम्बर तक नहरों में पानी उपलब्ध ना हो पाने और सिंचाई के अभाव में फसलों को हुई क्षति को लेकर किसान बंधु 04 दिसम्बर को सिवनी नगर मुख्यालय के कचहरी चौक में एकत्रित हुए और मेरे द्वारा किसान बंधुओं के साथ उक्त समस्याओं को लेकर कलेक्टर कार्यालय में पहुँचकर ज्ञापन दिया गया। विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी ने कहा कि किसान बंधुओं के साथ मैं नहर निर्माण, मरम्मत कार्य को देखने (36 किमी. वैनगंगा नदी पर बन रहे एक्राडक्ट) पहुँचा। वहाँ पर कार्य अधूरा पाया गया। तथा कार्यस्थल पर ठेकेदार का निजी कर्मचारी चार मजदूरों के साथ था, वहाँ एक व्यक्ति और उपस्थित था, जिसने अपना परिचय सेवानिवृत्त अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन विभाग श्री डेहरिया बताया। कार्यस्थल पर ठेकेदार के कर्मचारी और किसानों के बीच नहर कार्य और पानी को लेकर तेज-तेज बातचीत होने लगी, मेरे द्वारा किसानों और ठेकेदार के कर्मचारियों को समझाकर शांत किया गया, कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार का कोई भी विवाद नहीं हुआ। श्री दिनेश राय मुनमुन ने आगे कहा कि 4 दिसम्बर की शाम में प्रभारी मुख्य अभियता श्री अशोक डेहरिया द्वारा मीडिया चेनल के समक्ष ठेकेदार के सुपरवाईजर, मजदूर और उपमंत्री पद से सेवा निवृत्त हुए व्यक्ति को एस.डी.ओ. बताकर के साथ मेरे द्वारा किसानों के साथ मिलकर हमला कर मारपीट किये जाने संबंधी बयान जारी कर झूठे और निराधार आरोप लगाया जाकर मेरी छवि को जिले के साथ ही प्रदेश स्तर पर सोशल मीडिया एवं व्हाट्सएप के माध्यम से धूमिल कर अपमानित किया गया है इसके साथ ही श्री डेहरिया (सेवा निवृत्त एस.डी.ओ.) के छिंदवाड़ा के चिकित्सालय में भर्ती होने की बात कही गई है, जबकि 06 दिसम्बर को प्रकाशित समाचार पत्र दैनिक भास्कर में श्री डेहरिया (सेवा निवृत्त एस.डी.ओ.) के द्वारा बताया गया है कि उनके साथ कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की कोई मारपीट नहीं की गई है और ना ही में छिंदवाड़ा के किसी भी चिकित्सालय में भर्ती हूँ। विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी ने कहा कि उक्त समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार के अनुसार श्री अशोक डहेरिया के द्वारा बताया गया है कि विभाग में कर्मचारियों की कमी होने के कारण भोपाल से परमीशन लेकर सेवा निवृत्त एस.डी.ओ.श्री डेहरिया से कार्य कराया जा रहा है, किन्तु भोपाल स्तर पर किससे परमीशन लिया गया है उसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। इनके द्वारा शासन- प्रशासन को बार-बार नहर कार्य की झूठी जानकारी भी दी जाती रही है। पेंच नहर निर्माण कार्य एवं सिंचाई के पानी उपलब्ध कराये जाने के लिए मेरे द्वारा बार-बार किसानों का सहयोग किये जाने, नहर कार्य के निरीक्षण किये जाने, किसान बंधुओं की समस्याओं एवं बार-बार इनके द्वारा दिये जा रहे झूठे आश्वासनों से शासन-प्रशासन को अवगत कराये जाने से विचलित होकर श्री अशोक डहेरिया द्वारा मेरे ऊपर द्वेषपूर्ण अर्नगल, झूठे, निराधार आरोप लगाये गये हैं, जिससे मेरी ही नहीं बल्कि शासन- प्रशासन की छवि को धूमिल व अपमानित करने का घृणित कार्य किया गया है। इनके द्वारा लगाये झूठे आरोपों और भ्रष्ट कार्यप्रणाली से किसान बंधुओं में और आक्रोश बढ़ गया है। इनके यहाँ पदस्थ रहने से भविष्य में कभी भी विषम परिस्थितियां निर्मित हो सकती हैं। विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी ने कहा कि प्रभारी मुख्य अभियंता द्वारा लगाये गये झूठे अर्नगल आरोपों और इनकी भ्रष्टचार पूर्ण कराये गये नहर निर्माण, मरम्मत कार्यों की उच्च स्तरीय जाँच कराया जाकर कठोर कार्यवाही की जावे।

सेवा संकल्प ने समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा दिया राजेश राज

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, सतना सेवा संकल्प द्वारा जिला अस्पताल परिसर में आयोजित 97वें वस्त्र बैंक वितरण कार्यक्रम में रेलवे जीआरपी थाना प्रभारी राजेश राज ने गरीब परिवारों को ठंड से बचाने के लिए गर्म कपड़े वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने सेवा संकल्प के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन जिस तरह से जरूरतमंदों की सेवा कर रहा है, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपने जीवन में ऐसी सेवा भावना कहीं और नहीं देखी। राजेश राज ने आश्वासन दिया कि वह सेवा संकल्प के प्रयासों में हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। इस आयोजन ने न केवल गरीब परिवारों को मदद पहुंचाई, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा दिया। इस दौरान गोविंद बड़ेरिया अध्यक्ष सुरेश बड़ेरिया महामंत्री सतीश वर्मा मधुकर पारेख भाजपा जिला मीडिया प्रभारी श्याम लाल गुप्ता श्यामू सतीश सचदेव एड. राजेन्द्र गुप्ता राजेश सोनी अन्नू अग्रवाल मनोज खुशब पाण्डेय सहित उपस्थित रहे।

रामाकृष्णा कॉलेज ऑफ फार्मेसी में खो-खो की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हुई आयोजित

इंदौर और रीवा संभाग के मध्य खेला गया, इंदौर संभाग बना विजेता

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, श्री रामाकृष्णा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस सतना की इकाई श्री रामाकृष्णा कॉलेज ऑफ फार्मेसी द्वारा राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के तत्वाधान में राज्यस्तरीय महिला एवं पुरुष खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न किया गया। राज्यस्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में इंदौर संभाग, भोपाल संभाग, ग्वालियर संभाग, सागर संभाग, उज्जैन संभाग, जबलपुर संभाग एवं रीवा संभाग की टीमों ने भाग लिया। लीग मैच के फॉर्मेट में अपने अपने लीग मैच जीत कर महिला वर्ग में भोपाल एवं इंदौर संभाग फाइनल में पहुंची वहीं पुरुष वर्ग में रीवा संभाग एवं इंदौर संभाग फाइनल में पहुंची। महिला वर्ग खो-खो प्रतियोगिता का फाइनल मैच इंदौर एवं भोपाल संभाग के मध्य खेला गया जिसमें भोपाल संभाग विजेता रहा। पुरुष वर्ग खो-खो प्रतियोगिता का फाइनल इंदौर संभाग और रीवा संभाग के मध्य खेला गया जिसमें इंदौर संभाग विजेता रहा। उक्त प्रतियोगिता में संस्था के चेयरमैन शम्मी पुरी, डायरेक्टर शाश्वत पुरी, टेक्निकल विंग डायरेक्टर डॉ.अग्निवेश अग्निहोत्री, एकेडमिक डायरेक्टर शुभी खरे, हायर सेमेस्टर डीन दीपेश निगम, फर्स्ट ईयर डीन अभय मिश्रा, फार्मेसी कॉलेज से अनुपम मिश्रा, खेल समिति से विकाश शर्मा एवं अरुण सिंह, समस्त विभागाध्यक्ष, फैकल्टी मेंबर्स एवं बड़ी तादाद में छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

अवैध रेत उत्खनन माफिया के खिलाफ कोतवाली पुलिस की सख्त कार्यवाही

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, अनूपपुर जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान जी द्वारा हाल ही में बैठक ली जाकर जिले के सभी थाना प्रभारियों को सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी कड़ी में, कोतवाली पुलिस ने शनिवार देर रात बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टी.आई. कोतवाली श्री अरविन्द जैन के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक शिवशंकर प्रजापति, राजेश कंवर, आरक्षक कपिल सोलंकी और अमित यादव की टीम ने ग्राम हर्री में सोन नदी से अवैध रूप से रेत उत्खनन कर एक बिना नंबर वाले सफेद-नीले रंग के ट्रैक्टर-ट्रॉली को घेराबंदी कर पकड़ा गया। कार्यवाही के दौरान आरोपी विक्रम राठौर (उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम हर्री) को मौके पर गिरफ्तार किया गया। साथ ही, ट्रैक्टर-ट्रॉली के मालिक मथुरा प्रसाद राठौर उर्फ भुली (निवासी ग्राम हर्री) के खिलाफ भी कानूनी

प्रकरण दर्ज किया गया।

आरोपियों पर दर्ज मामलेथाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 517/24 के तहत धारा 303(2), 317(5) बी.एन.एस.4/21 खान खनिज अधिनियम, और मोटर व्हीकल एक्ट की धाराएं 3/181, 5/180, 130(3)/177 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। ट्रैक्टर-ट्रॉली समेत अवैध रेत को जब्त कर लिया गया है। टी.आई. कोतवाली अरविन्द जैन ने बताया कि थाना क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस की यह मुहिम क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जारी रहेगी।

8 वर्षो के बाद एक बार फिर अनूपपुर में विराट कवि सम्मेलन

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, गत 7 दिसम्बर को जिला मुख्यालय में अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। वर्षो बाद अनूपपुर के इस विराट कवि सम्मेलन में हास्य व्यंग्य गीत गजल ओज श्रृंगार सहित सभी विधा के कवि देश भर से कवि पधारे इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए आर्यावर्त समाचार पत्र के आयोजन समिति के ने बताया कि यह कार्यक्रम गत 7 दिसंबर की शाम शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज अनूपपुर में अयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में जिन कवियों ने प्रस्तुतियां दी वो काबीले तारीफ थी। जिला मुख्यालय में लगभग 8 वर्षों के अंतराल के बाद हुआ। अनूपपुर जिले के नगरवासी कडाके की ठंड में भी पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम के अंत तक बने रहे। आम नागरिकों, प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों सभी में कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखा गया।

दीप प्रज्जवलन से कार्यक्रम का शुभ आरम्भ कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। दीप प्रज्जवलन कलेक्टर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, प्रीति रमेष सिंह आदि के हाथो सम्पन्न हुआ। इसके बाद देष भर से आए कवियों को शॉल भेट कर सम्मानित किया गया। आर्यावर्त समाचार पत्र के स्थानीय संपादक संतोष कुमार झा, जिला समाचार प्रमुख अजीत मिश्रा, जिला संवाददाता अनुपम सिंह और प्रभा पटेल ने कवियों को माला पहनाकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम के आरम्भ में भारतीय परम्परा के अनुसार सरस्वती वंदना की गई। निकहत अमरोहवी ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना की।

ये पंक्तियां दिल को छू गई पूरी दुनिया में हिंदुस्तानी गजल का परचम फहराने वाले अकील नोमानी तीन चार शीर्ष शायरों में शुमार किए जाते हैं। आसान जबान में सादगी के साथ बड़ी बात कहना अकील नोमानी साहब की खासियत। इनकी पंक्तियों ने लगता है कहीं प्यार में थोड़ी सी कमी थी, **और प्यार में थोड़ी सी कमी कम नहीं होती** खूब वाह वाही लूटी इनके द्वारा पढ़ा गया शेर श्रोताओं के दिल को छू गया। हास्य व्यंग्य के सबसे वरिष्ठ कवियों में कटनी के रहने वाले मनोहर मनोज कई दशक से टीवी चैनलों और कवि सम्मेलनों के लगभग सभी मंचों पर कविता पाठ कर रहे हैं इनकी कविताओं का दर्षको ने खूब आनंद लिया। उल्लेखनीय है कि मनोहर जी अस्वस्थ होने के बाबजूद उन्होने इस कार्यक्रम में अपनी भागीदार निभाई और प्रस्तुती दी। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर ग्वालियर के रहने वाले अतुल अजनबी ने कई देषो की यात्राएं की है। इन्होंने विदेषो में भी अपनी शायरी का लोहा मनवाया है। हमने जब ऐतबार किया सर्द रात पर सूरज उदास हो गया इतनी सी बात पर इनको दुनिया भर में शायरी की सबसे सुंदर तख्लीक में से एक माना जाता है। दर्शन और आध्यात्मिक जगत से जुड़े शीर्षस्थ लोग भी अतुल अजनबी के मुरीद हैं। देश के सबसे बड़े कथावाचक मोरारी बापू तक ने उनके शेरों को अपनी कथा में स्थान दिया है। आपने भी आधा दर्जन से ज्यादा देशों में काव्य पाठ कर ग्वालियर शहर और देश का नाम रोशन किया है। मथुरा के युवा कवि मनवीर मधुर पिछले दो दशकों से ओज कविता की शास्त्रीय परंपरा को निभा रहे है। मनवीर ने

कार्यक्रम में काव्य मंच पर विषेष शैली और तेवर के साथ काव्य पाठ किया।भाव सभी तो मिल जाते हैं लेकिन शब्द नहीं मिलते वाणी से अमृत बरसाना सबके बस की बात नहीं इनकी खास शैली और परंपरागत तरीके से पढ़ी गई इन पंक्तियों ने एक अलग ही समा बांध दिया। प्रतापगढ़ से आए युवा कवि अभय सिंह निर्भीक ने वीर रस की कविता पढ़कर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। इनकी राम और कर्ण पर पढ़ी गई कविताओ ने श्रोताओं को अपने स्थान पर जड़ कर दिया। उनके काव्य पाठ ने श्रोताओं को सम्मोहित कर दिया। आओ हम सब भारत घूमें इसकी पवन रज को चूमें अमरोहा के अदबी शहर की शायर निकहत अमरोहवी शहर से निकल कर अपनी पहचान अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर बनाई उनकी शायरी की क्वालिटी के दम पर और आवाज के दम पर श्रोताओं को बांधे रखा उनकी गजल मेरा बचपन कटा गम के आगोश में एक पल मैं खिलौनों से खेली नहीं, हर तरफ भीड़ है लड़कियों की मगर मेरी किस्मत में कोई सहेली नहीं ने कार्यक्रम में धूम मचा दिया। श्रोताओं की विषेष फर्माईष पर न रे बाबा न सुनाया जिस पर श्रोता झूम उठे। उन्होंने यह साबित कर दिया कि वह आम शायरा नहीं बल्कि इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करवाने के लिए आने वाली शायरा हैं। सबसे कम उम्र के कवि चेतन चर्चित पिछले एक दशक से हिंदी काव्य मंचों का एक चर्चित हास्य व्यंग्य चेहरा पिछले कुछ वर्षों में हास्य व्यंग्य की कविताओं में देश के शीर्ष कवियों में माने जाते है। बहुत ही आसान लहजे में बहुत आसान शब्दों में तीखा व्यंग्य कर लोगों को खूब हसाया। चेतन चर्चित ने अपने चिर परिचित अंदाज में अपने छोटे कद को लेकर स्वयं पर ही तरह-तरह व्यंग्य छोड़े जिनसे श्रोता घायल होकर लोटपोट होते दिखे। अनूपपुर के दीपक अग्रवाल ने भी इस कवि सम्मेलन का हिस्सा लिया जिन्होंने अनूपपुर को साहित्यिक पहचान दिलाने में काफी अहम भूमिका अदा की है। कम उम्र में उन्होंने एक राष्ट्रीय मुकाम हासिल किया है मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा उर्दू लिपि में उनके एक गजल संग्रह का प्रकाशन भी किया है जिसका नाम है रेत पर कश्तियां। सबसे अलग रदीफ और बिल्कुल अलग विषयों पर गजल लिखना और आसान जबान में लिखना उनकी खासियत है। उनका एक शेर है - यह सियासत की है कोशिश कोई इंसान न हो आदमी नीला हरा लाल या भगवा हो जाए कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ हास्य व्यंग्य कवि कटनी से पधारे मनोहर मनोज ने की। कार्यक्रम का प्रारंभिक संचालन उमरिया से आए वरिष्ठ साहित्यकार और हिंदी साहित्य सम्मेलन उमरिया के जिला अध्यक्ष संतोष कुमार द्विवेदी ने किया। न्यायिक क्षेत्र से ये थे उपस्थित कार्यक्रम के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीष पीसी गुप्ता, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीष पंकज जायसवाल, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीष नरेन्द्र पटेल, अपर सत्र न्यायाधीष एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती मोनिका आध्या, जिला मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती चैनवती ताराम, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंजली शाह सहित जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह, न्यायिक विभाग के राजेष द्विवेदी सहित न्यायिक क्षेत्र से जुडे हुए अन्य लोग उपस्थित थे जिन्होने उक्त कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रषांस की। इनकी थी महत्वपूर्ण उपस्थिति कलेक्टर हर्षल पंचोली, एसपी मोती उर रहमान, एडीसनल एसपी मोहम्मद इसरार मंसूरी, एसडीओपी सुमित केरकेट्टा कोतवाली प्रभारी अरविंद जैन सहित जिले के विभिन्न थानो में पदस्थ पुलिस अधिकारी कर्मचारी के अलावा जिला पंचायत अध्यक्ष रमेष सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रीति रमेष सिंह, कांग्रेस जिला संगठन मंत्री मनोज मिश्रा, पत्रकार मनोज द्विवेदी, राजेष षिवहरे, चैतन्य मिश्रा, मनोज शुक्ला, आनंद पांडेय, मोहन पाव, अनिल श्रीवास्तव, हामिद अंसारी, राकेश जैन, जमील अंसारी, पुष्पराजगढ़ से पत्रकार आशुतोष सिंह, अजय जायसवाल, राजन सिंह, आशीष सेन, कार्यक्रम में सेवानिवृत प्राचार्य और पेंशनर क्लब के संभागीय अध्यक्ष डॉ.परमानंद तिवारी, गिरीष पटेल, चंद्रकांत पटेल, बृजेद्र सोनी, लायंस क्लाब के सदस्य जिले के सभी नगरीय निकायों से आए हुए जन प्रतिनिधिगणो के अलावा नगर और जिले के विभिन्न क्षेत्रो से आए हुए सम्मानिय श्रोतागण उपस्थित थे। रेत पर कश्तियां का हुआ विमोचन रेत पर कश्तियां का विमोचन जिले में 7 दिसंबर 2024 को आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के अवसर पर किया गया इस अवसर पर जिले के आईएएस कलेक्टर हर्षल पंचोली पुलिस अधीक्षक आईपीएस मोती उर रहमान आर्यावर्त समाचार पत्र अनूपपुर की पूरी टीम आमंत्रित कवि और शायर की गरिमा मई उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम के सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए स्थानीय संपादक संतोष कुमार झा दैनिक आर्यावर्त समाचार ने सभी का दिल से आभार प्रकट किया। आर्यावर्त समाचार पत्र समूह के संतोष झा, अजीत कुमार मिश्रा और अनुपम सिंह के साथ ही विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं और व्यवसायिक संस्थानों के द्वारा किए गए सहयोग की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम में सेवानिवृत प्राचार्य और पेंशनर क्लब के संभागीय अध्यक्ष डॉ.परमानंद तिवारी, और सबके नाम जोड़ना है इतना हो सके सभी कवियों को प्रतीक चिन्ह और साल देकर कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली और पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान द्वारा सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का शाजापुर आगमन पर हेलीपेड में भव्य स्वागत हुआ

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शाजापुर आगमन पर हेलीपेड पर भव्य स्वागत हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री एवं शाजापुर जिले के प्रभारी श्री नारायन सिंह कुशवाह, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार, सांसद श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी, विधायक शाजापुर श्री अरूण भीमावद, विधायक कालापीपल श्री घनश्याम चन्द्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, नगरपालिका अध्यक्ष श्री प्रेम जैन, नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री संतोष जोशी, श्री योगेन्द्र सिंह बंटी बना, श्री अशोक नायक ने पुष्पहार से मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया। इस मौके पर उज्जैन संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता एवं पुलिस महानिरीक्षक श्री उमेश जोगा, कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना, पुलिस अधीक्षक श्री यशपाल सिंह राजपूत, जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, अपर कलेक्टर श्री बीएस सोलंकी सहित जनप्रतिनिधिगण एवं राजनीतिक दलों के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसमूह के बीच पहुंचकर रोड शो किया। इस दौरान एबी रोड पर जगह-जगह सभा मंच बनाकर शहर की जनता ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ एवं हार

पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री एवं शाजापुर जिले के प्रभारी श्री नारायन सिंह कुशवाह, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार, सांसद श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी, विधायक शाजापुर श्री अरूण भीमावद सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण भी मौजूद थे।

अवैध रेत उत्खनन माफिया के खिलाफ कोतवाली पुलिस की सख्त कार्यवाही

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, अनूपपुर जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान जी द्वारा हाल ही में बैठक ली जाकर जिले के सभी थाना प्रभारियों को सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी कड़ी में, कोतवाली पुलिस ने शनिवार देर रात बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टी.आई. कोतवाली श्री अरविन्द जैन के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक शिवशंकर प्रजापति, राजेश कंवर, आरक्षक कपिल सोलंकी और अमित यादव की टीम ने ग्राम हर्री में सोन नदी से अवैध रूप से रेत उत्खनन कर एक बिना नंबर वाले सफेद-नीले रंग के ट्रैक्टर-ट्रॉली को घेराबंदी कर पकड़ा गया। कार्यवाही के दौरान आरोपी विक्रम

राठौर (उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम हर्री) को मौके पर गिरफ्तार किया गया। साथ ही, ट्रैक्टर-ट्रॉली के मालिक मथुरा प्रसाद राठौर उर्फ भुली (निवासी ग्राम हर्री) के खिलाफ भी कानूनी प्रकरण दर्ज किया गया।

आरोपियों पर दर्ज मामले- थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 517/24 के तहत धारा 303(2), 317(5) बी.एन.एस.4/21 खान खनिज अधिनियम, और मोटर व्हीकल एक्ट की धाराएं 3/181, 5/180, 130(3)/177 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। ट्रैक्टर-ट्रॉली समेत अवैध रेत को जब्त कर लिया गया है। टी.आई. कोतवाली अरविन्द जैन ने बताया कि थाना क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस की यह मुहिम क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जारी रहेगी।

कोतमा पुलिस के व्दारा 02 गुमशुदा को सतना से दस्तयाब कर परिवारजनों को सुपुर्द किया गया

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, दिनांक 11.05.22 को सूचनाकर्ता फूल सिंह पिता मान सिंह गोड़ उम्र 36 वर्ष निवासी जमुनिहा थाना कोतमा का उपस्थित थाना आकर सूचना दिया कि मेरी पत्नी गणेशिया बाई पति फूल सिंह गोड उम्र 40 वर्ष निवासी जमुनिहा थाना कोतमा की दिनांक 05.05.22 को घर से ग्राम हरद मायका जाने का बोल कर निकली थी जो अपने नही पहुँची पता तलाश करने पर पता नहीं चला की रिपोर्ट पर गुम इसांन क्र. 50/22 कायम कर जांच में लिया गया । जांच दौरान गुमशुदा गणेशिया बाई पति फूल सिंह गोड उम्र 40 वर्ष निवासी जमुनिहा थाना कोतमा को दिनांक को बिड़ला कालोनी सतना से दस्तयाब कर उसे परिजनो को सुपुर्द किया गया है। इसी प्रकार दिनांक-16/09/22 को फरियादिया राही बाई सिंह गोड़ पति संतोष सिंह गोड़ उम्र 39 वर्ष निवासी जमुनिहा थाना कोतमा के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई कि मेरा पति संतोष सिंह गोड़ दिनांक 07.05.2022 को 3.00 बजे घर में बिना बताये कही चला गया है जो वापस घर नही आया नात रिस्तेदारी में पता किया पता नही चला रिपोर्ट पर गुम इंसान क्र. 95/22 कायम कर जांच में

लिया गया। दौरान जांच गुमशुदा संतोष सिंह गोंड़ पिता स्व. आनन्द सिंह गोंड़ उम्र 44 वर्ष निवासी जमुनिहा थाना कोतमा की पतारसी की गयी जो दिनांक को बिड़ला कालोनी सतना में दस्तयाब कर उसके परिजनो को सुपुर्दगी में दिया गया है । उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतमा निरी. सुन्द्रेश सिंह मेरावी, सउनि विनय सिंह परिहार, सायबर सेल प्रधान आरक्षक राजेन्द्र अहिरवार ,आरक्षक पंकज मिश्रा, राजेंद्र केवट की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

श्री राम कथा में प्रियादास जी महाराज ने लंका दहन की कथा का वर्णन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

देवबंद (सहारनपुर)। श्री गीता प्रचार समिति सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री गीता भवन में आयोजित संगीतमय श्रीराम कथा में पूज्य सन्त प्रियादास जी महाराज ने लंका दहन की कथा का वर्णन किया। श्रीराम कथा में लंका दहन का वर्णन करते हुए प्रियादास जी महाराज ने कहा कि अशोक वाटिका से रावण के दरबार में मेघनाथ महाबली को बांधकर ले जाता है। महाबली हनुमान जी रावण को सदुपदेश देकर समझाने का प्रयास करते है कि श्रीराम त्रिभुवन पति है उनसे बैर न करें, माता सीता श्रीराम को सौंप दे। महाबली ने कहा अरे तू किस कारण इतना गर्व से भर रहा है तू तो विनाश को प्राप्त होने वाला है क्योकि तेरे राज्य में न चरित्रशाला है, न विचारशाला है, न विज्ञानशाला है। रावण जिस राजा के राज्य में इन तीनो में से एक का भी अभाव हो जाता है वह राज्य कष्ट से घिर जाता है। रावण ने कहा अरे क्या तुझे पता नहीं है कि मेरा भाई कुम्भकर्ण कितना बडा विज्ञानी है। महाबली बजरंगी

ने कहा तुम कुम्भकर्ण को बुलाओ मेरे प्रश्न है यदि उसने उत्तर दे दिया तो हम समझ लेगे सब ठीक है। महाबली ने दरबार में प्रश्न किये नक्षत्र मण्डल मे जो दूरी बनी हुई है आपस में नही मिल पाते यह शक्ति का चमत्कार है तथा पिण्ड प्रलय किस प्रकार होता है और वह कौन सी शक्ति है जो आखिल ब्रहमांड को गति मान किये है। रावण मूक हो उठता है कहता है मैं व मेरा भाई नहीं जानता है रावण खिसिया कर मंत्रियों कहता है कि इसकी पूंछ मे आग लगा दो, पूंछ हीन वानर जब जायेगा तब मेरे बल पराक्रम को इसका स्वामी स्वंय जान लेगा। श्रीराम कथा का पूजन विधि-विधान से आचार्य विनय प्रकाश त्रिवारी ने किया। संचालन सुधीर गर्ग ने किया। यजमान अजय गांधी, श्रीमती सुधा गांधी सभासद रहे। प्रसाद वितरण नितिन गर्ग ने किया। इस अवसर पर अनुज गर्ग, बलराम माहेश्वरी, सुशील कर्णवाल, अजय बंसल, पंकज गोयल, संजय मित्तल, अखिल अग्रवाल, राजकुमार जाटव, छत्रपाल शर्मा, सोमनाथ गुप्ता, श्रीमती कान्ता त्यागी, श्रीमती मीरा देवी, मधु शर्मा, मंजू शर्मा, विमला देवी, सुदेश शर्मा आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे जुल्म के खिलाफ हिंदुओं ने आवाज बुलंद की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। साउथ सिटी के मैदान पर संघ- भाजपा से जुडे साधु-संतों और हजारों लोगों ने बांग्लादेश में कट्टरपंथियों द्वारा हिंदू मंदिरों पर हमले, तोडफोड, आगजनी, लूटमार और हिंसक घटनाओं पर गहरी चिंता जताई और राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट गजेंद्र सिंह को सौंपा। आज सुबह 11-12 बजे के करीब हजारों लोग मैदान पर जुटे। मंच पर सुदर्शन चक्र, राजकुमार रविदासी, बंटी दास, दीपांकर समेत कई साधु-संत मौजूद थे। सामने नीचे भाजपा के मौजूदा एवं पूर्व विधायक, मेयर डा. अजय सिंह, पूर्व मेयर संजीव वालिया और संघ-भाजपा से जुडे पदाधिकारी लोगों के बीच बैठे थे। ज्ञापन में मांग की गई कि सरकार बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए तमाम जरूरी कदम उठाए। अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय बांग्लादेश में मानवाधिकार हनन की घटनाओं पर तत्काल ध्यान दे। बांग्लादेश में हिंदुओं को स्वतंत्रता पूर्वक अपने धर्म के पालन और पूजा-पाठ की स्वतंत्रता दी जाए। सभा स्थल से हजारों की भीड जिलाधिकारी को ज्ञापन देने के लिए चली लेकिन ढाई सौ मीटर की दूरी पर आयोजकों ने प्रशासन द्वारा नियत अधिकारी को ज्ञापन प्रदान कर दिया। अहतियात के तौर पर इस क्षेत्र पर यातायात डायवर्ट कर दिया गया था।

पंचतत्व में विलीन हुए राज बहादुर सिंह चौहान

आकस्मिक निधन, नम आंखों से दी लोगो ने विदाई

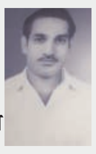

जन्म- 16 जुलाई 1933
निधन- 05 दिसम्बर 2024
शैक्षणिक योग्यता- बीए एलएलबी
राजनैतिक जीवन - सीधी छात्र संघ के लगातार दो बार निर्वाचित अध्यक्ष
विशेष - सन 1965 -66 में विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बने, सीएम स्वर्गीय अर्जुन सिंह केखिलाफ चुनाव लड़े।एंटी इंकम्बेंसी और राजपूत जाती का फैक्टर इलाके में आज भी इलाके बना हुआ है।

ऐसे बहुत से लोग होते हैं जो इस दुनिया से ष्ठ खूसत होने के बाद अपने पीछे अमिट छाप, अपना प्रभावी इतिहास छोड़ जाते हैं और उनकी यादें हमेशा दिलो-दिमाग में घर किए होती हैं। ऐसी ही शख्सियत के धनी दिवंगत राजबहादुर सिंह चौहान भी थे, (जिनका 05 दिसंबर इलाज के दौरान निधन हो गया, वह 91 वर्ष के थे।) जैसा उनका नाम था ठीक वैसा ही उनका काम था, सीधी जिले के मड़वास ग्राम में रहने वाले राज बहादुर सिंह चौहान (मड़वास) हमेशा जष्ठ रतमंदो की मदद को पहली पंक्ति में दिखाई पड़े, उनका कहना था की अगर ईश्वर ने तुम्हे अगर उस काबिल बनाया है की किसी के काम आ सकते हो तो आगे बढ़कर मदद कर देनी चाहिए, दरअसल चौहान बिरादरी में मड़वास में अपने ज़माने के एक मात्र अधिवक्ता थे जो लोगो की परिस्थितियों के हिसाब से फीस लेते थे यानि गरीब दुखी पीड़ितों शोषितो से दया भाव में उन्होंने कभी भी रूपए पैसो को तवज्जो नहीं दिया, हालाँकि कुछ समय बाद वकालत से विदा लेकर अपने पारम्परिक कार्य खेती, किसानी में स्थानीय लोगो को रोजगार से जोड़ा देखरेख में अपना अधिकतर समय मड़वास में बिताया है, कई एकड़ भूमि के मालिक है. उनके पुत्र अभिमन्यु सिंह चौहान उर्फ़ बब्लू भैया एवं उपमन्यु सिंह चौहान भी पिता के बताये मार्गदर्शन में जनहित के कार्यो को लेकर सतत प्रयास जारी रखे हुए है।ऐसे ही व्यक्तियो के लिए अक्सर शायरों ने ऐसे नायकों की यादों और अपनी संवेदनाओं को लफ़्जों से नवाजा है। कि वो बिछड़ा कुछ इस अदा से की ऋत्रु ही बदल गई, इक शख्स सारे शहर को वीरान कर गया।

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिले की प्रखर नेत्री, समाजसेवी गीता सिंह परिहार के पिता स्वर्गीय राज बहादुर सिंह चौहान ने दुनिया को अलविदा कह पंचतत्व में विलीन हो गए। 05 दिसंबर का दिन मड़वास की चौहान परिवार पर आफ़ात बनकर टूटा है जिसकी भरपाई नामुमकिन है, 06 दिसम्बर दिन शुक्रवार सीधी के ग्राम मड़वास में अंतिम संस्कार पूरे वैदिक विधि-विधान से किया गया। उनके जेष्ठ पुत्र अभिमन्यु सिंह चौहान ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में शहर भर के साथ साथ रीवा, सतना, शहडोल, खजुराहो, उत्तरप्रदेश के नामचीन शामिल लोगो ने अपनी नम आंखों से अपने नायक परिवार के वट वृक्ष एवं स्तम्भ माने जाने वाले को विदाई दी।अंतिम यात्रा में आये ग्रामीणों के मुताबिक हमारे मड़वास ने एक संभ्रांत, संवेदनशील, न्याय पसंद नागरिक को खो दिया, बड़ा सामान्य सा जीवन जीने वाले विभूति इनकी सामान्य जीवन शैली इतनी आकर्षक थी कि जब भी इन्हें देखते थे हृदय से उनके लिए सम्मान के भाव अपने आप उत्पन्न होते थे वो कह रहे थे आप का जाना ऐसा आभास करा रहा है मानो सैकड़ो साल के पीपल और वट वृक्ष गिर गए।

इनका जीवन परिचय.. राजबहादुर सिंह चौहान मड़वास का जन्म 16 जुलाई 1933 सीधी में हुआ, राजबहादुर सिंह चौहान छात्र जीवन काल से ही लोगो के प्रति उदारता का भाव था, यही लोगो से जुड़ाव के चलते सभी के चहेते बन जाते थे, सन 1964- 65 में हुए छात्र संघ अध्यक्ष के चुनाव में लगातार दो बार निर्वाचित हुए जिसके चलते इनकी ख्याति सीधी एवं आसपास के जिले में फैलती गई। दरअसल इसके पीछे मूल कारण यह था कि वह लोगों के प्रति समर्पित भाव से समस्या का समाधान और निष्पक्ष और इंसाफ पसंद, बेबाक बोली के लिए जाने जाते थे यही सब कारण थे कि लोग अपनी छोटी सी छोटी समस्याओं को लेकर लोग राज बहादुर सिंह के दिव्य दरबार पहुंचते थे, जैसा राज बहादुर सिंह चौहान का नाम था वैसे ही इनका काम।लोगों के प्रति न्याय और नैतिक जिम्मेदारी का भाव देखने को मिला।

बने विधानसभा प्रत्याशी.. लगातार दो बार जीते चुनाव के बाद राजनीति में उनके बढ़ते कद को पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय गोविंद नारायण सिंह ने पहचान लिया और बहुत कम समय में उनके चाहते बन गए।इसी बीच 1965 - 66 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान स्वर्गीय अर्जुन सिंह जो उस समय के मध्यप्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री थे, उनके सामने खड़े होने वाले शख्स के रूप में राज बहादुर सिंह को देखा गया बताया जाता है कि एक रणनीति के तहत पूर्व मुख्यमंत्री गोविंद नारायण सिंह के कहने पर उन्होंने उसे चुनाव में भागीदारी निभाई।और चुनाव और भी यादगार हो गया।एक मुख्यमंत्री को चुरहट विधानसभा से किसने हरा दिया क्या कारण था जो हर का सामना करना पड़ा दरअसल चुरहट विधानसभा अर्जुन सिंह की परंपरागत सीट थी यहां से उन्होंने खुद भी कांग्रेस के विरोध के बाद भी स्वर्गीय अर्जुन सिंह ने निर्दलीय चुनाव लड़कर कांग्रेस को अपना बढ़ा कद दिखाया था।लेकिन जब एक निर्दलीय चेहरे ने जीत का समीकरण बदल तो उनको अपनी ही विधानसभा से मजबूरन मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को गृह ग्राम की सीट छोड़कर उमरिया जिले की शरण लेनी पड़ी है।बताया जाता है कि जिस समय मुख्यमंत्री स्वर्गीय स्वर्गीय मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह मध्यप्रदेश में राजनीति में सक्रिय से तो चुरहट विधानसभा में किसी में भी उनके विरोध में प्रचार करने की हिम्मत नहीं थी क्षेत्र में राजपूत मेजॉरिटी से राजबहादुर सिंह की उम्मीदवारी स्वर्गीय अर्जुन सिंह की पराजय का कारण बनी।

बीजेपी का ऐसे खुला खाता.. उन दिनों के किस्से कहानियो में यह भी चर्चित है कि स्वर्गीय राज बहादुर सिंह चौहान ने पूर्व मुख्यमंत्री गोविंद नारायण सिंह के कहने पर निर्दलीय चुनाव लड़ा और उम्मीदवार होते हुए भी भाजपा के कैंडिडेट चंद्र प्रताप तिवारी का प्रचार प्रसार किया जिसका परिणाम यह हुआ कि स्वर्गीय कुंवर अर्जुन सिंह पराजित हुए और चंद्र प्रसाद प्रताप तिवारी ने काफी मतों के अंतर से जीत दर्ज की। दरअसल पूरा जीवन इसी तरह स्वर्गीय राज बहादुर सिंह चौहान अपने पूरे जीवन काल में हर गलत काम का खुलेआम विरोध किया।इलाके में बेबाकी को मशहूर स्वर्गीय राज बहादुर सिंह चौहान राजतंत्र, समाजवाद के धुर विरोधी रहे। जियो और जीने दो के विचारधारा उनके जीवन शैली में देखने को मिलती रही।

पिता और बेटियों का समर्पण... स्वर्गीय राज बहादुर सिंह चौहान का अपना पांच भाई और तीन बहनों का बड़ा परिवार जिसमे सबसे बड़े भाई देश सेवा को फौज में थे, इनकी सन्तानो में दो बेटे पांच बेटियां है, वो बेटो से ज्यादा बेटियों की परवाह करते थे, ठीक बेटियां भी उसी तरह अपने पापा को मानती चाहती थी, जितने दिन स्वर्गीय राज बहादुर सिंह चौहान बीमार थे सभी बेटियां अस्पताल में पापा के सामने रही, अपने पापा के लिए तीन तीन अस्पताल बदले लेकिन नियति को जो मंजूर था वो अमिट है, लेकिन आज के ज़माने में बेटियों को इतना समय अपने पापा के लिए शायद ही मिलता हो, विदाई के बाद विदा बेटी पर कहा कोई जोर ।

ऐसे बना सीधी का भोज कॉलेज..पहले सीधी में पढ़ने वाले विार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए रीवा का सफर तय करना पड़ता था, जिसके लिए स्वर्गीय राज बहादुर सिंह चौहान ने प्रयास करना शुरू किया और सफल भी रहे।दरअसल उस समय स्वर्गीय इंद्रजीत पटेल मध्यप्रदेश सरकार में शिक्षा मंत्री हुआ करते थे और विार्थियों की समस्याओं को देखकर स्वर्गीय राज बहादुर सिंह चौहान भोज कॉलेज की स्थापना को लेकर मांग की।उनकी मांग जनहित में ऐसी थी कि मंत्री इनकार नहीं कर सके और यहां आज दिखाई देता विशालकाय भवन भोज कॉलेज में कहीं ना कहीं उनका भी अहम रोल रहा है।

दोस्त की छोड़ी वकालत...एक वाक्य को याद कर कर आज भी लोग कहते हैं कि दरअसल स्वर्गीय राज बहादुर सिंह चौहान अधिवक्ता भी रहे।उनके एक दोस्त अपने प्रकरण को लेकर पहुंचे, केश जब समझ आया तो उन्हें संबंधित मामले में झूठ ना बोलना पड़े इसलिए उन्होंने न सिर्फ कैसे छोड़ बल्कि धीरे-धीरे वकालत भी।जब सच्चाई पसंद स्वर्गीय राज बहादुर सिंह चौहान वकालत पेशे से किनारा कर लिया सीधी से मड़वास चले आये।यहाँ अब एक बड़े किसान के रूप में ग्राम मड़वास मैं जाने जाते हैं यहाँ भी उनकी ख्याति सामाजिक मान प्रतिष्ठा को लेकर चर्चित है, यहां उनके दिवंगत होने के बाद अगर आज भी लोग चर्चा कर रहे हैं तो जरूर बन्दे में कोई बात होगी, चर्चा सिर्फ एक परिजनों ने ही नहीं सीधी, मड़वास ने अपना मजबूत स्तंभ को दिया।

अंतिम समय में भी सुनाया उपदेश.. विगत 45 वर्षों से परमहंस आश्रम से जुड़े होने के कारण स्वामी अड़गड़ानंद महाराज महापुष्ठ ष के अति प्रिय भक्तों में राजबहादुर सिंह चौहान सुमार थे, वे स्वामी अड़गड़ानंद महाराज के सानिध्य में रहते हुए यथार्थ गीता का उपदेश और लिखें शब्दों को समझने और अपने जीवन में अंतर्मनन करने प्रचार प्रसार करते हुए आखिरी समय बिताया अस्वस्थ होने के बावजूद उन्होंने लगातार यथार्थ गीता उपदेश सुनाया और अचानक दुनिया को विदा कह दिया।

अंतिम यात्रा में इन्होने की शिरकत..शोक व्यक्त करने वालों में रामानंद जायसवाल राम मनोज सिंह राम प्रसाद तिवारी रूपचंद जायसवाल अधिवक्ता मोहन सिंह नरेंद्र गुड्डू पांडे जानकी जायसवाल उदय अशोक मिश्रा राज तिवारी राम भजन जायसवाल पूर्व सरपंच हरे कृष्ण श्रीवास्तव दिवाकर श्रीवास्तव फूलचंद गुप्ता मनोज श्रीवास्तव राकेश सोनी आनंद तिवारी प्रदीप मिश्रा आजाद सिंह चौहान विनीत सोनी अनिल गौतम रणजीत सिंह आदर्श तिवारी संतोष राम पहला गुप्ता मुकेश गुप्ता रमाशंकर द्विवेदी पथरोला डॉक्टर जगदीश विश्वास अरविंद गुप्ता सहायक सचिव बृजेंद्र सिंह भैया रतन सिंह शुभम मिश्रा इत्यादि मौजूद रहे।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति और मोक्ष प्रदान करें। इस दुःख की घड़ी में हम सब आपके साथ हैं ! दिवंगत आत्मा को सिटी चीफ परिवार की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि !

प्रदेश सहित जिले में 11 दिसंबर से प्रारंभ होगा जन कल्याण पर्व

नरसिंहपुर प्रदेश सहित जिलों में भी 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर 2024 तक जन कल्याण पर्व मनाया जायेगा। इसके अंतर्गत राज्य शासन द्वारा महिला, किसान, युवा और गरीब कल्याण सहित विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जन कल्याण पर्व की तैयारियों के संबंध में निवास स्थित समत्व भवन में वीसी के माध्यम से रविवार को समीक्षा बैठक ली। उन्होंने तैयारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के एनआईसी कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल व श्री महेन्द्र नागेश, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्री मृगाखी डेका, सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

हिंसा से बचाव के लिए बालिकाओं को दी गई गुड टच और बैड टच की जानकारी

सीहोर

सीहोर स्थित कन्या शिक्षा परिसर में विभिन्न प्रकार की हिंसा से बचाव के लिए बालिकाओं को लैंगिक अपराध संरक्षण अधिनियम 2012 के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। मंडी थाना प्रभारी श्रीमती माया सिंह द्वारा बालिकाओं को घरेलू हिंसा से बचाव के उपाय के साथ ही गुड टच एवं बैड टच के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही हिंसा की शिकायत के लिए बालिकाओं को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर शिकायत करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती प्रमिला राही पांडे, पुलिसकर्मी, शिक्षकगण एवं बालिकाएं उपस्थित रहीं।

हर पात्र हितग्राही को योजनाओं का लाभ दें - मुख्यमंत्री

प्रदेश में मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान 11 दिसम्बर से 26 जनवरी तक चलेगा- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान में प्रत्येक पंचायत और नगरीय निकाय के वार्डों में लगेंगे शिविर

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से जन कल्याण अभियान की तैयारियों के लिए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से किया संवाद

सीधी प्रदेश में 11 दिसम्बर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान तथा 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर 2024 तक जन कल्याण पर्व मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अभियान की तैयारियों के संबंध में जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की सभी हितग्राहीमूलक योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत लाभान्वित करना है। अभियान 11 दिसम्बर से गीता जयंती से आरंभ होगा। इसका समापन 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस को होगा। अभियान के दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय के प्रत्येक वार्ड में शिविर लगाकर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। इन शिविरों में भी यदि हितग्राही लाभ पाने से वंचित रह गए तो उन्हें 26 जनवरी को लाभान्वित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और शहरी क्षेत्र के लिए आयुक्त नगर निगम नोडल अधिकारी होंगे। कलेक्टर पूरे जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के शिविरों की तिथियाँ निर्धारित कर प्रिंट और सोशल मीडिया के माध्यम से उनका प्रचार-प्रसार कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक शिविर के लिए नोडल अधिकारी तथा अधिकारियों के दल तत्काल तैनात कर दें। प्रत्येक दिन की गतिविधि तथा लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज होगी। विभाग अपनी योजनाओं का लाभ देने के लिए अलग से भी शिविर लगा सकते हैं। परिवहन विभाग स्कूल और महाविद्यालयों में शिविर लगाकर ड्राइविंग लाइसेंस बनाएं। राजस्व महाभियान अब 15 दिसम्बर को समाप्त नहीं होगा, यह अभियान 26 जनवरी तक चलाया जाएगा। लोक कल्याण अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिलों, विकासखण्डों, अधिकारियों और कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस में सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के दौरान 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर तक लोक कल्याण पर्व मनाया जाएगा। इस अवधि में अलग-अलग विषयों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 11 दिसम्बर को गीता जयंती पर गीता पाठ का आयोजन होगा। अभियान के दौरान सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार किया जाए। लोकार्पण और भूमिपूजन के कार्य भी कराए जाएंगे। एनआईसी केन्द्र से विधायक सीधी रीती पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, जनपद अध्यक्ष सीधी धर्मेंद्र सिंह परिहार, कुसमी श्यामवती सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष सीधी काजल वर्मा, रामपुर नैकिन राम कुमार साहू शामिल हुए। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अमेरिका-जापान और फिलीपींस ने मिलकर दक्षिण चीन सागर में किया नौसैनिक अभ्यास

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका, जापान और फिलीपींस ने शुक्रवार को फिलीपींस के विशेष आर्थिक क्षेत्र में सहयोगात्मक समुद्री गतिविधि का आयोजन किया। यह अभ्यास दक्षिण चीन सागर में किया गया, जहां हाल ही में चीन और फिलीपींस के बीच विवाद बढ़ा है। अमेरिका के इंडो-पैसिफिक कमांड के अनुसार, इस अभ्यास का उद्देश्य रक्षा रणनीतियों, तकनीकों और प्रक्रियाओं के बीच समन्वय को मजबूत करना है। यह अभ्यास उस घटना के दो दिन बाद हुआ है, जब चीन और फिलीपींस के बीच स्कारबोरो शोल (विवादित क्षेत्र) में टकराव हुआ।

फिलीपींस ने चीन के तटरक्षक जहाजों पर पानी की तोप का इस्तेमाल करने और उसकी मछली पालन विभाग की नाव को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। चीन ने इसे वैध और पेशेवर कार्रवाई बताया।गुरुवार को जापान और फिलीपींस ने 1.6 अरब येन (लगभग 10.65 मिलियन) का सुरक्षा सहायता समझौता किया। इसके तहत जापान फिलीपींस को कठोर-ढांचे वाली नावें, तटीय रडार सिस्टम और अन्य उपकरण प्रदान करेगा ताकि उसकी समुद्री निगरानी क्षमता बढ़ाई जा सके। जापान और फिलीपींस दोनों ने दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक गतिविधियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है।

फिलीपींस को वायु निगरानी रडार प्रणाली के लिए उपकरण भी मिलेंगे, जिससे उसकी निगरानी क्षमता में सुधार होगा। फिलीपींस के रक्षा विभाग ने कहा कि यह सहयोग क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को मजबूत करने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जुलाई में फिलीपींस और जापान ने एक ऐतिहासिक सैन्य समझौता किया, जिसमें दोनों देशों की सेनाओं को एक-दूसरे के क्षेत्र में तैनात होने की अनुमति दी गई। जापान का दक्षिण चीन सागर पर कोई दावा नहीं है, लेकिन पूर्वी चीन सागर में चीन के साथ उसका अलग समुद्री विवाद है। इस अभ्यास और सहयोग से क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री अधिकारों की रक्षा करने के प्रयासों को बल मिला है।

उपन्यास लिखने और पढ़ने में महिलाएं सबसे आगे, कम हुई पुरुषों की भागीदारी

नेशनल डेस्क. पिछले दो दशकों में साहित्य के क्षेत्र में महिलाओं ने महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। खासकर उपन्यास लेखन में महिलाएं अब प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। साथ ही महिला पाठकों की संख्या भी काफी बढ़ी है।

बेस्ट सेलर सूची में महिलाएं

2004 में न्यूयॉर्क टाइम्स के फिक्शन बेस्ट-सेलर सूची में पुरुष और महिला लेखकों का हिस्सा बराबर था, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। 2023 में इस सूची में तीन-चौथाई लेखिकाएं महिलाएं हैं। इससे यह साफ़ होता है कि साहित्यिक दुनिया में महिलाओं का दबदबा बढ़ा है।

महिलाओं की खरीदारी का प्रभाव कई अध्ययनों से यह सामने आया है कि कथा साहित्य की 80 प्रतिशत किताबें महिलाएं खरीदती हैं। यह आंकड़ा भी दर्शाता है कि महिला पाठकों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है। यह ट्रेंड केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया में महिलाओं का पढ़ने का रुझान बढ़ा है।

क्रिएटिव लेखन में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी

पिछले आठ सालों में क्रिएटिव लेखन के कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी में लगातार वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालयों में लगभग 60 प्रतिशत आवेदन महिलाओं के होते हैं। कई कार्यक्रमों में तो केवल महिलाएं ही भाग ले रही हैं। 20 साल पहले इन कार्यक्रमों में पुरुष और महिला छात्रों की संख्या

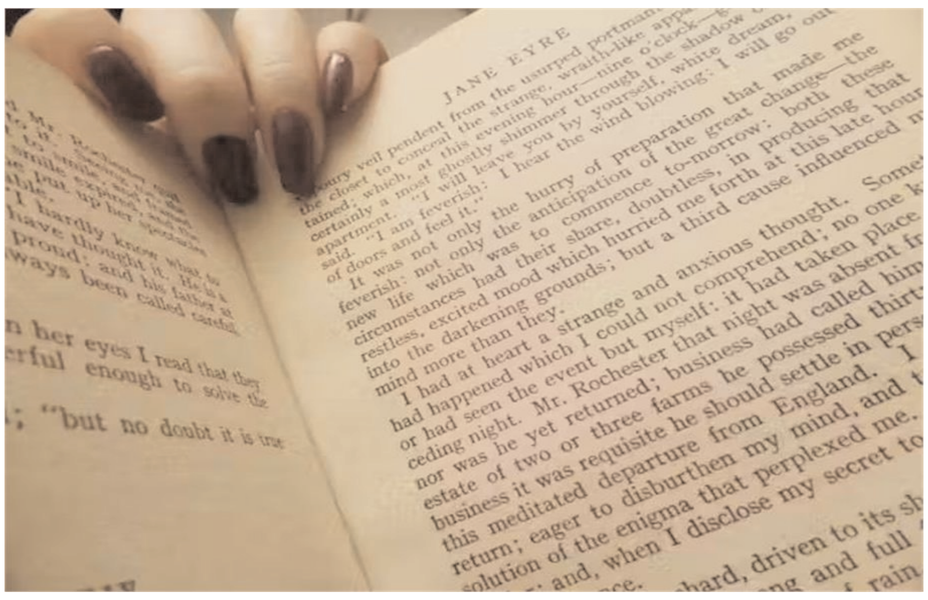

लगभग समान हुआ करती थी।

पुरुष लेखक और युवा पुरुषों की **घटती संख्या**

अमेरिकी पब्लिशिंग कंपनी साइमन एंड शूस्टर के एक्जीक्यूटिव एडिटर एमॉन डोलन का कहना है कि आजकल युवा पुरुष उपन्यासकार बहुत कम हो गए हैं। 2022 में उपन्यासकार जोयस कैरोल ओट्स ने बताया कि उन्हें एक एजेंट से बताया गया कि युवा श्वेत पुरुष लेखकों के पहले उपन्यासों का संपादन करने के लिए संपादक ढूंढना कठिन हो गया है। यह दर्शाता है कि पुरुष लेखकों की संख्या कम होती जा रही है।

युवाओं में पुरुषों की गिरती भूमिका

साहित्य के क्षेत्र में पुरुषों की घटती उपस्थिति केवल लेखन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके सामाजिक और शैक्षिक जीवन में भी दिखाई देती है। हाल के वर्षों में यह देखा गया है कि शैक्षिक और सांस्कृतिक स्तर पर युवा पुरुषों का पिछड़ना एक बड़ी समस्या बन गई है। अमेरिका में महिलाओं का कॉलेज और विश्वविद्यालयों में ग्रेजुएशन पूरा करने का प्रतिशत लगभग 50त्न है, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा केवल 40त्न के आसपास है।

मर्दानगी और पुरुषों का रुझान

साहित्य में पुरुषों की गिरती उपस्थिति का कारण यह भी है कि युवा पुरुष अपनी रुचि को वीडियो गेम, पोर्नोग्राफी और मर्दानगी को बढ़ावा देने वाली सामग्री में ढूंढ रहे हैं। वे उन लेखकों को पसंद करते हैं, जो मर्दानगी और ताकत के बारे में लिखते हैं। यही कारण है कि युवा पुरुषों की संख्या नॉवेल पढ़ने में कम हो रही है।

साहित्य और समाज की दिशा पर सवाल

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 2022 में भी यह देखा गया कि युवा पुरुषों की भूमिका महत्वपूर्ण रही थी। विशेष रूप से श्वेत युवा पुरुषों ने ट्रम्प को सबसे अधिक समर्थन दिया। इस संदर्भ में सवाल उठता है कि अगर पुरुष लेखन और पढ़ने में हिस्सा नहीं लेंगे तो साहित्य और समाज का भविष्य क्या होगा? क्योंकि आखिरकार पुरुषों और महिलाओं की तक़दीर एक-दूसरे से जुड़ी हुई है।

लोगों के लिए ट्रंप और उनकी पत्नी के साथ निजी डिनर का सुनहरा मौका

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिकी नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रम्प के साथ प्राइवेट डिनर का सपना पूरा हो सकता है, लेकिन इसके लिए शर्त यह है कि इसके आपको मोटी रकम चुकानी होगी। यह खास अवसर रिपब्लिकन पार्टी के प्रमुख समर्थकों को मिलेगा, जिन्हें 2 मिलियन डॉलर (करीब ?17 करोड़) देने होंगे। इस डिनर का आयोजन ट्रम्प वेंस उद्घाटन समिति द्वारा किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जो व्यक्ति 1 मिलियन डॉलर दान करेगा या 2 मिलियन डॉलर जुटाएगा, उसे 19 जनवरी 2025 को आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लेने का विशेष मौका मिलेगा।

सिर्फ डिनर ही नहीं ये अवसर भी मिलेंगे

सिर्फ डिनर ही नहीं, बल्कि दानदाताओं को कई अन्य विशेष सुविधाएं भी मिलेंगी। इनमें कैबिनेट सदस्यों के साथ रिसेप्शन, उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित सीनेटर जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस के साथ डिनर का अवसर, 20 जनवरी को ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह के लिए छह विशेष टिकट भी शामिल हैं । यह आयोजन मेलानिया ट्रम्प की उद्घाटन समारोह में भागीदारी की पहली सार्वजनिक पुष्टि करता है। चुनाव अभियान के दौरान

मेलानिया ज्यादातर सुर्खियों से दूर रहीं और बहुत कम कार्यक्रमों में नजर आईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके दूसरे कार्यकाल के दौरान भी वह लो प्रोफाइल रह सकती हैं और न्यूयॉर्क में अपने बेटे बैरन ट्रम्प की पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं।

इस विशेष आयोजन का महत्व

50,000 डॉलर से लेकर 1 मिलियन डॉलर तक दान करने वालों को उद्घाटन की रात स्टारलाईट बॉल में शामिल होने का मौका मिलेगा। गौरतलब है कि निजी धन जुटाना अमेरिकी उद्घाटन परंपराओं का हिस्सा है। करदाताओं के पैसे सिर्फ शपथ ग्रहण और अन्य आधिकारिक कार्यक्रमों के लिए इस्तेमाल होते हैं, जबकि निजी दान से परेड, संगीत कार्यक्रम, और बॉल जैसे समारोहों का आयोजन होता है।

2016 में ट्रम्प की पहली उद्घाटन समिति ने रिकॉर्ड 107 मिलियन डॉलर जुटाए थे। हालांकि, इसमें विदेशी फंडिंग और कानूनी उल्लंघनों को लेकर विवाद खड़ा हुआ था, जिसके चलते एक दानदाता को 12 साल की जेल हुई। इस बार, ट्रम्प वेंस कमेटी को एक राजनीतिक गैर-लाभकारी संस्था के रूप में बनाया गया है, जहां दान की कोई सीमा नहीं है।

इतिहास में सबसे महंगे आयोजन

2021 में राष्ट्रपति जो बाइडेन की उद्घाटन समिति ने 500,000 डॉलर से 1 मिलियन डॉलर तक का दान लिया था, जबकि 2009 में बराक ओबामा ने अपने पहले उद्घाटन के लिए 53 मिलियन डॉलर जुटाए थे। ट्रम्प वेंस समिति का यह आयोजन अब तक के सबसे महंगे और भव्य आयोजनों में से एक माना जा रहा है।

पंजाब पर भी कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों का असर

सुखबीरहमले को लेकर दिया हिंट भारत को सतर्क रहने की जरूरत

इंटरनेशनल डेस्क। कनाडा में खालिस्तानी तत्वों की बढ़ती गतिविधियों पर चिंता जताते हुए लेखक कुशल मेहरा ने कहा है कि भारत को इस खतरे को हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि कनाडा में कई गुरुद्वारों पर खालिस्तानी समर्थकों का कब्जा हो चुका है, जो अब धार्मिक स्थलों के बजाय कट्टरपंथी विचारधारा और फंडिंग का अड्डा बन गए हैं। कुशल मेहरा ने कहा कि इन गुरुद्वारों के जरिए न केवल विदेशों से फंडिंग इकट्ठा की जा रही है, बल्कि युवाओं को खालिस्तानी विचारधारा के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इन गतिविधियों का असर अब पंजाब में भी दिखने लगा है, जहां हाल ही में शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखविंदर सिंह बादल पर हमले की घटना सामने आई।

मेहरा ने बताया कि सुखविंदर सिंह बादल पर हमला करने वाला 68 वर्षीय व्यक्ति कथित तौर पर बब्बर खालसा से जुड़ा था। यह घटना दर्शाती है कि कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी नेटवर्क अब पंजाब में भी अपनी जड़ें जमा रहा है। कनाडा की सरकार पर सवाल उठाते हुए मेहरा ने कहा कि वहां खालिस्तानी समर्थकों को राजनीतिक संरक्षण मिलता है, जिससे भारत की चिंताएं और बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि भारत कई बार कनाडा से इन गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग कर चुका है,

लेकिन अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए। कुशल मेहरा ने कहा कि भारत को कूटनीतिक और सुरक्षा स्तर पर सक्रिय होना होगा। अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाकर कनाडा को कार्रवाई के लिए मजबूर करना होगा। इसके साथ ही, पंजाब में इन नेटवर्क्स को खत्म करने और प्रवासी भारतीय समुदाय को जागरूक करने की जरूरत है।

कुशल मेहरा ने कहा कि कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियां भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गई हैं। उन्होंने भारत से अपील की कि इसे गंभीरता से लिया जाए और जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए जाएं। शिरोमणि अकाली दल (ब्रष्ठ) के प्रमुख सुखविंदर सिंह बादल पर हुए हमले के बाद लेखक कुशल मेहरा ने कहा कि यह घटना पंजाब में चरमपंथी गतिविधियों के बढ़ते प्रभाव की ओर संकेत करती है। कुशल मेहरा ने कहा कि इस हमले के पीछे कनाडा में मौजूद खालिस्तानी संगठनों की बढ़ती सक्रियता को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। कुशल मेहरा का कहना है कि कनाडा में मौजूद खालिस्तानी नेटवर्क का प्रभाव अब पंजाब में ज़मीन पर दिखाई दे रहा है।

कुशल मेहरा ने कहा कि यह खतरा भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा संकट बन सकता है। कुशल मेहरा ने भारत सरकार को आगाह करते हुए कहा कि खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियां न केवल भारत की एकता को प्रभावित कर रही हैं, बल्कि पंजाब में सांप्रदायिक सौहार्द्र को भी नुकसान पहुंचा रही हैं। कनाडा में बढ़ता चरमपंथ भारत के लिए एक गंभीर खतरा है , जिसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे को गंभीरता से उठाना चाहिए और कनाडा के साथ कूटनीतिक बातचीत के ज़रिये इसे नियंत्रित करने के प्रयास करने चाहिए।

रोहिंग्या पर घिरी बीजेपी : दिल्ली में भी दोहराया जाएगा झारखण्ड?

नेशनल डेस्क. बीजेपी ने वही गलती दिल्ली में दोहरा दी है जो उसने झारखण्ड में की थी। झारखण्ड में घुसपैठिया और दिल्ली में रोहिंग्या! झारखण्ड में घुसपैठिए का मुद्दा बीजेपी को उल्टा पड़ा था। उसे मुंह की खानी पड़ी थी और जेएमएम ने घुसपैठिया के मुद्दे को बीजेपी के ही खिलाफ इस्तेमाल करने में कामयाबी हासिल की थी। क्या अब दिल्ली में भी रोहिंग्या का मुद्दा बीजेपी को उल्टा पड़ने वाला है? जिस तरीके से आम आदमी पार्टी ने बीजेपी के 'रोहिंग्या वार' पर उलटवार किया है उससे फौरी तौर पर कम से कम ऐसा ही लगता है।

दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल ने जब बीजेपी और चुनाव आयोग के बीच कथित सांठगांठ का पर्दाफाश करने का दावा किया और सबूत के साथ बताया कि अलग अलग विधानसभाओं में गुणा-भाग करके बीजेपी मतदाताओं के नाम हटाने के लिए चुनाव आयोग को आवेदन दे रही है तो बीजेपी बौखला उठी। बीजेपी ने सबूत को नकारा नहीं, आरोपों को गलत ठहराया नहीं। इसके बदले आम आदमी पार्टी पर ही आरोप जड़ दिया। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पलटवार किया कि फर्जी बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं के वोट हटाए जा रहे हैं और इसलिए आम आदमी पार्टी को मिर्ची लग रही है। इसी लाइन पर बीजेपी के तमाम नेता आम आदमी पर टूट पड़े। मगर, यह पलटवार असर करता उससे पहले ही आम आदमी पार्टी सबूत के साथ एक बार फिर सामने आ गयी।

प्रियंका कक्कड़ ने पलटवार किया कि रोहिंग्या को बसाने का काम बीजेपी करती रही है और आरोप दूसरों पर लगाती हैं। रोहिंग्या को बीजेपी ने बसाया है। प्रियंका ने सवाल किया है कि क्या बीजेपी अपने केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के ट्वीट को झूठ बताती है? क्या कभी बीजेपी ने हरदीप पुरी के ट्वीट पर सवाल खड़े किए? अगर नहीं, तो स्पष्ट है कि दिल्ली के अंदर रोहिंग्या को बसाने का काम बीजेपी ने ही किया है। अगर बसाया न होता तो उन्हें कैसे पता कि रोहिंग्या कहां रह रहे हैं और उन्हें क्या सुविधा देनी है?

वोटर डिलीशन के बाद बीजेपी के गले में रोहिंग्या का फंदा

एक मुद्दे से दूसरे मुद्दे में बीजेपी आ फंसी। मतदाता सूची में व्यापक बदलाव के आरोपों में घिरी बीजेपी अब रोहिंग्याओं के भारत में प्रवेश करने, उन्हें दिल्ली में बसाने के आरोपों से भी घिर गयी। आम आदमी पार्टी के तमाम नेता अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिसौदिया, मुख्यमंत्री आतिशी, सौरभ भारद्वाज, संदीप पाठक, संजय सिंह तमाम नेताओं ने इस मुद्दे को लपक लिया है। कहने की जरूरत नहीं कि जिस रोहिंग्या और बांग्लादेशी का मुद्दा बीजेपी उठाना चाह रही थी उसे आम आदमी पार्टी ने भी आगे बढ़कर चुनावी मुद्दा बना दिया है।

अब तक अरविन्द केजरीवाल केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को कानून व्यवस्था और आए दिन अपराध की घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे थे। दिल्ली के नशे की गिरफ्त में फंसे होने के लिए भी वे अमित शाह, गुजरात, मुंद्रा पोर्ट और अडानी को जिम्मेदार ठहरा रहे थे। यहां तक कि इन मुद्दों पर विफल रहने के लिए अमित शाह से इस्तीफा भी मांग रहे थे केजरीवाल। अब घुसपैठ और रोहिंग्या के मुद्दे पर भी अमित शाह निशाने पर आ गये हैं। यानी रोहिंग्या का मुद्दा भी बीजेपी पर बैक फायर होता दिख रहा है।

ध्यान रहे कि रोहिंग्या म्यांमार के निवासी हैं लेकिन मूल रूप से वे बांग्लादेश से हैं। जब 1826 में आंग्ल-बर्मा युद्ध हुआ था तब अंग्रेजों की जीत हुई थी और मजदूरी के लिए अंग्रेजों ने बांग्लादेश से मजदूरों को बर्मा में बसाया था। ये लोग बर्मा के रखाइन प्रांत में बसे थे। अब नये सिरे से जब रोहिंग्या और बर्मा के बौद्ध लोगों के बीच संघर्ष शुरू हुआ तो रोहिंग्याओं को पलायन करना पड़ा है। वे बांग्लादेश होते हुए भारत में प्रवेश कर गये हैं। संसद में केंद्र सरकार ने माना था कि 40 हजार से ज्यादा रोहिंग्या भारत में रह रहे हैं।

झारखण्ड विधानसभा चुनाव के दौरान भी घुसपैठिया कार्ड खूब खेला गया। हेमंत बिस्वा शर्मा, अमित शाह, नरेंद्र मोदी, योगी आदित्यनाथ, शिवराज सिंह चौहान समेत तमाम दिग्गज नेताओं ने घुसपैठिए को मुद्दा बनाया और हेमंत सरकार को घुसपैठ के लिए जिम्मेदार ठहराया। घुसपैठिए को इस्लाम से जोड़ते हुए आदिवासी बेटियों को छीन लेने और दामाद गांव बसाने तक की बात बीजेपी ने कही थी। मगर, हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखण्ड में इन आरोपों का करारा जवाब दिया गया। सवाल किए गये कि झारखण्ड का बॉर्डर किसी भी देश से नहीं मिलता है। लिहाजा जो भी घुसपैठिए आए हैं वो गृहमंत्री अमित शाह और मोदी सरकार की विफलता की वजह से आए हैं। जेएमएम ने कहा कि मोदी सरकार अपने पाप को झारखण्डियों पर मढ़ना चाहते हैं। चुनाव नतीजे ने बताया कि बीजेपी के आरोप चले नहीं और झारखण्ड में जेएमएम की सरकार दोबारा सत्ता में आ गयी। अब यही कहानी दिल्ली में भी दोहराई जाती दिख रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569